स्थापित 29 जून, 2000
RNI No. : RAJHIN/2014/57650

प्रकाशन दिनांक 18 दिसम्बर 2025
रजि. नं. 49/भरत/रजि./2000-2001
Postal Reg. No.: भरतपुर/91/2024-26

नववर्ष
की मंगल
शुभकामनाओं
के साथ

131 वाँ
संस्करण

भरतपुर (राज.)
जनवरी 2026
अंक - 131

अपना घर-सेवा पथ

हिन्दी मासिक पत्रिका

पीड़ित मानव सेवा का पावन तीर्थ
'अपना घर' आश्रम

हैल्पलाईन नं. : 8764396811, 9660149394

प्रकाशक :

मॉं माधुरी बृज वारिस सेवा सदन 'अपना घर' संस्था

बझेरा, भरतपुर (राज.) 321001

सम्पर्क सूत्र : 8599999911, 8599999922

E-mail : bharatpur@apnagharashram.org FB : Apna Ghar Bharatpur

Website : www.apnagharashram.org

अपना घर आश्रम, अम्बाला का लोकार्पण समारोह।

अपना घर आश्रम, भरतपुर में
सर्विस कैलेंडर-2026 का विमोचन।

अपना घर युवा सेवा समिति की
नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह।

अपना घर सेवा समिति, बयाना द्वारा प्रभुजियों
की सेवार्थ सरसों तेल के पीपे आश्रम भिजवाते हुए।

अपना घर आश्रम, नोखा में विवाह उपलक्ष्य पर
स्नेह मिलन कार्यक्रम में सम्मिलित प्रभुजन।

अपना घर सेवा समिति, भुसावर द्वारा
स्कूल के बच्चों को बांटी गर्म जर्सी।

अपना घर आश्रम फरीदकोट में
प्रभुजियों की धार्मिक यात्रा।

RNI No.: RAJHIN/2014/57650

Postal Reg. No.: भरतपुर/91/2024-26

वर्ष -11, अंक - एक सौ इकत्तीस

जनवरी, 2026

अपना घर सेवा पथ

सम्पादक :

वीरपाल सिंह

9414714470

सह सम्पादक :

कुसुम अग्रवाल, चन्द्रशेखर गुप्ता

एन.पी. सिंह, शैलेन्द्र त्यागी

वितरण मण्डल :

विनोद खण्डेलवाल

गोपाल शर्मा

बबीता गुलाटी

मुद्रक :

बंसल प्रिन्टर्स, भरतपुर

फोन : 9694885455

ग्राफिक्स डिजाइनिंग :

शाहिद खान

विवरणिका

क्र. सं.	विवरण	पेज सं.
1.	इस अंक में	4
2.	सेवा समाचार	5
3.	प्रभु स्वरूप आवासियों की दर्द भरी दास्तान	13
4.	समाचार पत्रों में अपना घर	20
5.	माह नवम्बर 2025 में प्रवेश, स्थानांतरण एवं पुनर्वास प्रभु आवासियों का विवरण	28
6.	संस्था के नवम्बर माह के विशेष सहयोगी	31
7.	अपना घर में प्रभु सेवा से जुड़ने हेतु सेवा प्रकल्प तालिका	32
8.	संस्था द्वारा संचालित आश्रम	33

प्रकाशक एवं स्वामी - विनोद कुमार सिंघल सचिव, माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर संस्था बझेरा, भरतपुर (राज.) - 321001 एवं मुद्रक- भागचन्द बंसल, बंसल प्रिन्टर्स, जामा मस्जिद,भरतपुर (राज.) प्रकाशन स्थान : भरतपुर राजस्थान, सम्पादक- वीरपाल सिंह।

इस अंक में....

प्रिय आत्मीयजन!

श्री हरिस्मरण एवं सादर वन्दे!

नव वर्ष 2026 आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और सुख–समृद्धि लेकर आए। आइए, नए उत्साह के साथ प्रभु–सेवा के इस मार्ग पर कदम बढ़ाएं।

इसी क्रम में ''मासिक पत्रिका–सेवा पथ'' के जनवरी – 2026 अंक को संकलित कर आश्रमों, समितियों एवं हैल्पलाईनों के सेवा कार्यों एवं गतिविधियों को पुनः आप तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

साथियों, अपना घर आश्रम की सेवा यात्रा अब और अधिक व्यवस्थित एवं संकल्पित होने जा रही है। इस हेतु संस्था द्वारा विस्तृत 'सर्विस कैलेंडर' वर्ष 2026 का विमोचन कर सभी आश्रमों को भेज दिया गया है। इस कैलेंडर में 1 जनवरी से 31 दिसम्बर तक निर्धारित 700 कार्य हमारी सेवाओं का मुख्य आधार हैं। इसका उद्देश्य है कि सभी सेवा साथी और पदाधिकारी एक सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली (Comfort Zone) में रहकर संसाधनों का श्रेष्ठ उपयोग कर सकें। अतः सभी आश्रम पदाधिकारियों से अनुरोध है कि भोजनालय, चिकित्सा, निर्माण और मशीनों के रखरखाव से लेकर ऋतु अनुसार प्रभुजनों की व्यवस्था तक, प्रत्येक कार्य इस कैलेंडर के अनुरूप समयबद्ध सम्पन्न होना सुनिश्चित करें।

दिसम्बर माह में सभी आश्रमों की 'सेवा प्रमोशन टीम' ने भरतपुर मुख्यालय का सूक्ष्म निरीक्षण किया है। इस निरीक्षण में सेवा प्रमोशन टीम के सभी सदस्यों ने जिस समर्पण और बारीकी से व्यवस्थाओं को समझा, उसके लिए संस्था परिवार सभी का हृदय से आभारी है। यह आपसी समन्वय ही हमारी असली शक्ति है।

प्रभुस्वरूप पीड़ितों की सेवा के क्रम में माह नवम्बर 2025 में कुल 675 प्रभुजी सभी आश्रमों में भर्ती किये गये। ठीक होने पर 375 प्रभुजी उनके परिवारों में पुनर्वासित किये गये। इसके अलावा 13 प्रभुजी अन्य संस्थाओं को स्थानान्तरित किये गये हैं। चिकित्सा एवं सेवा के उपरान्त भी 166 गम्भीर बीमार प्रभुजी ब्रह्मलीन हुए जिनका उनकी रीति–नीति से अन्तिम संस्कार किया गया। इस समय सभी आश्रमों में कुल 15,899 प्रभुजी आश्रय एवं सेवायें प्राप्त कर रहे हैं।

संस्था की सेवाओं के विस्तार एवं प्रभुजी की व्यवस्थाओं में आप सभी के अनुकरणीय सहयोग के लिए हम पुनः आपका हृदय के अन्तःस्थल से आभार व्यक्त करते हैं।

भगवत कृपा बनी रहे, आप कृपा बनाये रखें।

बेसहारा बीमार असहाय प्रभुजनों की सेवा ही हमारी पूजा एवं आराधना है।

किसी भी आश्रयहीन असहाय पीड़ित लावारिस बीमार को सेवा एवं संसाधनों के अभाव में वेदनादायक पीड़ा एवं असामयिक मृत्यु का शिकार होने से बचा सकें। इसी परिकल्पना को साकार करने हेतु प्रयासरत-

माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन "अपना घर" संस्था

सेवा समाचार

अपना घर आश्रम, अम्बाला का लोकार्पण समारोह

दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को अपना घर आश्रम अम्बाला सिटी का लोकार्पण समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह आश्रम श्री रोमिल गर्ग जी द्वारा अपनी माताजी श्रीमती राज गर्ग जी की विशेष इच्छा पर अपना घर की सेवाओं हेतु प्रदत्त भवन में किया गया है।

इस भवन की आवासीय क्षमता 70 बैड की है जिसमें वर्तमान में 26 प्रभुजी निवासरत है। इस अपना घर आश्रम में केवल पुरुष प्रभुजनों को ही प्रवेश दिया जायेगा, अगर आपको कहीं पर आश्रयहीन असहाय बीमार जिनका कोई नहीं हैं ऐसे पुरुष प्रभुजी कहीं दिखाई दें तो आप उन्हें अपना घर आश्रम अम्बाला में भर्ती करा सकते हैं अथवा सूचना दे सकते हैं। जिन्हें अपना घर आश्रम की रेस्क्यू टीम एम्बुलेंस के माध्यम से आकर ले जायेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री असीम जी गोयल पूर्व राज्य मंत्री हरियाणा, प्रसिद्ध वकील साहब श्री अरुण जैन जी तथा महाराज जी प्रेम मंदिर, श्री 108 गीता जी महाराज, अपना घर संस्था के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज, राष्ट्रीय संरक्षक श्री वीरपाल सिंह एवं अम्बाला के सीएमएचओ, श्री राजिंदर शर्मा एस.एच.ओ. थाना अम्बाला, श्री नरेश अग्रवाल (एन. एन ज्वैलर्स), श्री अभिनव अग्रवाल (सुदर्शन तम्बाकू), श्री प्रेम चन्द, समस्त पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम बहुत ही सुन्दर तरीके से एवं लोगों की प्रभुजी में काफी रुचि दिखाई दी और अपना सहयोग प्रदान किया।

अपना घर युवा सेवा समिति की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

दिनांक 20 दिसम्बर 2025 को अपना घर आश्रम की सेवा विस्तार के क्रम में संस्था की भविष्य की योजनाओं को दृष्टिगत रखते हुए संगठन विस्तार की दिशा में अपना घर युवा सेवा समिति के गठन के पश्चात समिति की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह अपना घर आश्रम प्रभु प्रकल्प पर किया गया। वर्तमान में समिति में 60 सदस्य हैं सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने परिवार सहित आश्रम के विभिन्न सेवा स्थलों बझेरा आश्रम, अपना घर लोहागढ़ गौशाला, बंशी प्रकल्प आश्रम एवं प्रभु प्रकल्प आश्रम का भ्रमण कर इनमें चल रहे सेवा के विभिन्न कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आश्रम के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज, संस्थापिका डॉ. माधुरी भरद्वाज, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर गुप्ता एवं अन्य आश्रम के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद राष्ट्रीय सचिव श्री विनोद सिंघल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी को संस्था की पाँच आधारभूत आस्थाओं की शपथ दिलाई गई। संरक्षक श्री वीरपाल सिंह द्वारा समिति के सभी सदस्यों को सेवा की महत्वा बताते हुए ईश्वरीय सेवा से जुड़ने पर सभी सदस्यों का हार्दिक बधाई दी। आश्रम के संस्थापक डॉ. बी.एम.भारद्वाज द्वारा सभी युवा सदस्यों सेवा के इस प्रकल्प से जुड़ने पर प्रेरित करते हुए कहा कि सेवा के बदले, हमें कुछ उम्मीद नहीं करनी चाहिए बल्कि हमारा पूरा ध्यान निःस्वार्थ सेवा पर होना चाहिए। समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मनीष गर्ग द्वारा कहा गया कि निश्चित ही हम सभी डॉक्टर साहब के विश्वास को पूर्णकर उनके दिशा निर्देशन में सेवाओं के प्रकल्पों को और आगे बढ़ाने में यह समिति काम करेगी। समिति संयोजक श्री मनीष गुप्ता द्वारा कहा गया कि समिति के माध्यम से निश्चित ही समिति से जुड़ने वाले युवाओं का भी कल्याण होगा और उनके विचारों में उज्ज्वलता आएगी, कार्यक्रम का संचालन अपना घर सेवा समितियों की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता अग्रवाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में 6 नवीन सदस्यों श्री नितेश शर्मा, श्री मिनेश शर्मा, श्री राहुल गर्ग, श्री रोहित सिंह, श्री भोला सिनसिनवार, श्री गौरव जैन, श्री प्रदीप कुमार, श्री लोकेंद्र सिंह को सदस्यता की शपथ दिलाई गई। नवीन कार्यकारिणी हेतु श्री मनीष गर्ग–अध्यक्ष, श्री विवेक मित्तल–सचिव, श्री हेमंत कुमार–कोषाध्यक्ष, श्री पिकासो गर्ग, श्री हरिओम शर्मा–उपाध्यक्ष, श्री पुष्पेंद्र जांगिड़

सहसचिव, श्री योगेश जैन, श्री रोहित खण्डेलवाल, श्री पीयूष खण्डेलवाल, श्री रोहित सिंह, श्री मिनेश शर्मा, श्री गौरव लवानियाँ, श्री हिमांशु गोयल, श्री गौरांग अग्रवाल, श्री मनीष गुप्ता ने कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में अपना घर आश्रम पदाधिकारी श्री हेमराज गोयल, श्री बसंत लाल गुप्ता, श्री सतीश चंद्र सिंघल, श्री सीएम गुप्ता, श्री भूदेव शर्मा, श्री नरेंद्र तिवारी, श्री सुनील कुमार बंसल, श्री सतीश चंद्र गुप्ता, श्री महेश बंसल, श्री अनिल कुमार गुप्ता, श्री महेंद्रनाथ शर्मा, श्री हरवीर सिंह, श्रीमती माया गुप्ता, श्रीमती सीमा शर्मा आदि सहित अपना घर युवा सेवा समिति के 40 सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे।

अपना घर आश्रम भरतपुर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संस्था राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामस्वरूप अग्रवाल जी की अध्यक्षता में भरतपुर मुख्यालय पर आयोजित हुई। इस अवसर पर सेवा कैलेंडर वर्ष 2026 का विमोचन भी किया गया। बैठक में पदाधिकारियों के साथ–साथ वरिष्ठ साथियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक में वर्ष 2026 के लिए सेवा– योजनाओं, नए आश्रमों के अनुमोदन, सेवा– गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा विस्तार कार्यों पर व्यापक चर्चा की गई। संस्था द्वारा हाल ही में स्थापित सभी नवीन आश्रमों का औपचारिक अनुमोदन किया गया। बैठक का प्रमुख आकर्षण सर्विस कैलेंडर 2026 का विमोचन रहा। कैलेंडर का मुद्रण कार्य पूर्ण हो चुका है। हर आश्रम के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रभारी को चार–चार प्रतियाँ 31 दिसम्बर से पहले भेजी जाएगी। इस कैलेंडर में 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2026 तक कुल 700 कार्य निर्धारित किए गए हैं।

कैलेंडर का उद्देश्य – प्रभुजी को सुकून देने वाली सेवाओं का नियमित, स्वतःस्फूर्त और बिना अतिरिक्त दिशा–निर्देश के संचालन, कार्यकारिणी पदाधिकारियों का कार्यभार कम करना, आश्रमों में सेवा– गुणवत्ता और अनुशासन को मजबूत करना है। इन कार्यों में विशेष रूप से शामिल हैं– मेडिकल, अकाउण्ट्स एवं अपडेट, प्रभुजी की मासिक रिपोर्ट, क्रिटिकल ऑपरेशन, व्हीलचेयर रखरखाव, रसोई, वार्ड तथा मशीनरी की ओवरऑल सफाई एवं निरीक्षण बेड, गद्दे, चादर, खिड़की–दरवाजों का निरीक्षण अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री इलैक्ट्रिक, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की रिपेयरिंग, सोलर पैनल सफाई, फायर सुरक्षा निरीक्षण, किचन उपकरणों का रखरखाव, डाटा अपडेशन, इन्वर्टर, बैटरी जाँच, पानी की टंकी सफाई एवं क्लोरीनेशन स्टाफ की 54 प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएँ। वेबसाइट अपडेट, बाल समिति एवं हेल्पलाइन की नियमित बैठकें मौसम अनुसार व्यवस्थाएँ, हीटर, गीजर, वाटर कूलर, पंखे आदि की सर्विस दाता

ऑपरेशन एवं भण्डार गृह प्रबंधन कैलेंडर के माध्यम से आश्रमों का सम्पूर्ण मॉनिटरिंग सिस्टम और अधिक सुदृढ़ होगा।

विस्तार कार्य के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में अपना घर आश्रम गोवर्धन के निर्माण पर चर्चा की गई। पंजाब में अपना घर आश्रम फरीदकोट के निर्माण पर विचार। वर्ष 2026 से 2028 तक की नवीन कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति तथा उनके लिए विशेष कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वित्तीय वर्ष 2023–24 से सम्बन्धित आयकर स्क्रूटनी पर समीक्षा। सभी आश्रमों में अकाउंट्स एवं अनुपालन को समयबद्ध करने पर जोर। सेवा प्रमोशन एवं सेवा ऑपरेशन टीम दोनों टीमों की संरचना, कार्यक्षेत्र और रीव्यू सिस्टम पर चर्चा। सेवा को न्यूनतम संसाधनों में सर्वोत्तम स्तर तक पहुँचाने के लिए एक विशेष संसाधन उपयोग मॉनिटरिंग टीम का गठन। नया आश्रम खोलने की नई गाइडलाइन के तहत अब केवल उन्हीं स्थानों पर नए आश्रम खोले जाएंगे, जहाँ भवन उपलब्ध हो तथा जहाँ सेवाभाव रखने वाले समर्पित साथी (सेवा भावीजन सहित) सुनिश्चित हों इससे आश्रम संचालन अधिक व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण रहेगा। बैठक पूर्णतः प्रभुजी की सर्वोत्तम सेवा, सेवा–गुणवत्ता में सुधार और संगठन की पारदर्शिता को मजबूत करने पर केंद्रित रही। हर छोटे–बड़े बिंदु पर सूक्ष्मता से चर्चा हुई कि कैसे हम प्रभुजी को अधिक सुकून, अधिक प्रेम और अधिक व्यवस्थित सेवाएँ दे सकें।

अपना घर सेवा समिति भुसावर द्वारा विद्यालय में बांटी गर्म जर्सी

अपना घर सेवा समिति, भुसावर द्वारा गाँव मूसेपुर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत 27 से अधिक नौनिहालों को भामाशाह स्व. लक्ष्मीनारायण अग्रवाल अचार वाले, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज भुसावर की पुण्य स्मृति में सर्दी को देखते हुए गर्म जर्सियों का वितरण किया गया। जर्सी पाकर बच्चों के चेहरे फूलों की तरह खिल उठे। वहीं अध्यापकों सहित परिजनों ने भामाशाह एवं अपना घर सेवा समिति का आभार जताया। विद्यालय की अध्यापिका सुरेखा सिंघल एवं नेहा पांडे और भानुप्रिया ने बताया कि गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष राजकुमार बंसल ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरसिंह सैनी, डॉ. रघुनाथ सिंह पहचरा, मनीराम धाकड़, राजेंद्र मित्तल एवं बृजलाल सैनी रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को अपना घर समिति और भामाशाह के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान उन्हें बताया कि किस तरह सड़क पर बेसहारा घूमते असहाय एवं मानसिक विक्षिप्त प्रभुजनों का रेस्क्यू कर उन्हें अपना घर आश्रम में भर्ती करवाते हैं।

देश में अपनी तरह का पहला त्रिपक्षीय एमओयू, राज्य सरकार एवं अपना घर आश्रम के बीच ऐतिहासिक समझौता

दिनांक 16 दिसम्बर 2025 को राजस्थान में असहाय, निराश्रित, लावारिस एवं अज्ञात रोगियों– जिन्हें अपना घर आश्रम में स्नेहपूर्वक "प्रभुजन" कहा जाता है – के लिए एक ऐतिहासिक एवं मानवता–प्रधान पहल साकार हुई। माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर संस्था, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मध्य एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के बाद अब ऐसे प्रभुजन, जिनके पास कोई पहचान पत्र, निवास प्रमाण अथवा अन्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, उनका उपचार भी राजस्थान के समस्त सरकारी मेडिकल कॉलेजों एवं संबद्ध चिकित्सालयों में निःशुल्क एवं प्राथमिकता से किया जा सकेगा।

इस ऐतिहासिक एमओयू के पीछे राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का दूरदर्शी नेतृत्व, संवेदनशील सोच और करुणामय दृष्टिकोण प्रमुख रूप से रहा। यह समझौता राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्पन्न कराया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी की पहल एवं मार्गदर्शन से यह सुनिश्चित हो सका कि वर्षों से केवल पहचान के अभाव में चिकित्सा सुविधा से वंचित रह जाने वाले प्रभुजनों को भी सम्मान, संवेदना और समान अधिकार के साथ उपचार प्राप्त हो सके। अपना घर परिवार, प्रदेशभर के हजारों प्रभुजनों की ओर से, माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी का हृदय के अंतःस्थल से हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करता है।

यह एमओयू पूरे देश में अपनी तरह का पहला समझौता है, जिसमें किसी राज्य सरकार के दो विभागों एवं एक सेवा–समर्पित सामाजिक संस्था के मध्य विशेष रूप से असहाय, बीमार, लावारिस एवं अज्ञात रोगियों के उपचार, सहयोग एवं संरक्षण हेतु औपचारिक व्यवस्था की गई है। इस समझौते के माध्यम से पहली बार यह सुनिश्चित किया गया है कि बिना पहचान, बिना दस्तावेज और बिना किसी कानूनी जटिलता के भी ऐसे प्रभुजन सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली में पूर्ण अधिकार और मानवीय गरिमा के साथ इलाज प्राप्त कर सकें। यह पहल न केवल राजस्थान बल्कि समूचे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करती है, जिससे अन्य राज्यों में भी असहाय रोगियों के लिए संवेदनशील नीतियाँ विकसित होने की दिशा प्रशस्त होगी।

अब दस्तावेज बाधा नहीं बनेंगे– अब यदि अपना घर आश्रम अपने आधिकारिक लेटरहेड पर यह प्रमाणित करेगा कि संबंधित रोगी अपना घर आश्रम में निवासरत असहाय, लावारिस प्रभुजन है, तो केवल इसी आधार पर उसे ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएँ, दवाइयाँ, पैथोंलॉजिकल जांच

ऑपरेशन, इम्प्लांट एवं अन्य आवश्यक उपचार पूरी तरह निःशुल्क एवं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराए जाएँगे। इस एमओयू के अंतर्गत राजस्थान के 35 मेडिकल कॉलेजों, उनसे संबद्ध 78 सरकारी चिकित्सालयों तथा प्रदेश में संचालित अपना घर आश्रम की 25 शाखाओं में निवासरत प्रभुजनों को समस्त आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध होंगी।

अपना घर आश्रम प्रभुजनों को अस्पताल तक एस्कॉर्ट करने, उपचार के दौरान सेवा–सहयोग, मृत्यु की स्थिति में दाह–संस्कार तथा आश्रमों में मेडिकल कैंपों की समस्त व्यवस्थाओं का दायित्व निभाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग प्राथमिकता आधारित उपचार, नियमित पाक्षिक मेडिकल कैंप, नोडल अधिकारी की नियुक्ति एवं आवश्यक स्टाफ सहयोग सुनिश्चित करेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग इस संपूर्ण व्यवस्था हेतु पंजीकृत एवं अधिकृत संस्थाओं की पहचान, समन्वय एवं निगरानी की भूमिका निभाएगा।

यह समझौता तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा, जिसका नवीनीकरण तीनों पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जा सकेगा। यह समझौता उन प्रभुजनों के लिए नई जीवन–रेखा बनेगा, जिनके पास आज तक केवल पीड़ा थी, पहचान नहीं। राजस्थान में यह पहल सेवा, संवेदना और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

अपना घर आश्रम पंजाब खोर में निःशुल्क नेत्र जाँच एवं ऑपरेशन शिविर

दिनांक 14 दिसम्बर 2025 को अपना घर आश्रम, पंजाब खोर, दिल्ली में एक निःशुल्क नेत्र जाँच एवं ऑपरेशन शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में मोजीराम लायन्स आई हॉस्पिटल, दिल्ली से आए 8 डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने सेवाएं प्रदान की। शिविर में आश्रम के आस–पास के गाँवों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी आँखों की जाँच करवाई। जाँच के दौरान कई व्यक्तियों को मौके पर ही चश्मे उपलब्ध कराए गए, वहीं कई लोगों को चश्मे के नम्बर दिए गए। इसके अतिरिक्त 33 जरूरतमन्द व्यक्तियों को नेत्र ऑपरेशन की दिनांक निर्धारित की गई। इस अवसर पर आश्रम में निवासरत प्रभुजियों की भी नेत्र जाँच करवाई गई, जिससे उन्हें भी इस शिविर का लाभ प्राप्त हुआ।

शिविर के सफल आयोजन में श्री अजय बंसल, श्री दिनेश गुप्ता, श्री जय प्रकाश मित्तल, श्री शिव कुमार गर्ग एवं श्री रविन्द्र अग्रवाल व आश्रम के कई पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही आश्रम प्रभारी श्री सुमित शर्मा एवं आश्रम के सभी सेवासाथी उपस्थित रहे। अपना घर आश्रम द्वारा आयोजित इस शिविर को स्थानीय लोगों ने अत्यन्त सराहनीय बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी आयोजनों की अपेक्षा जताई।

अपना घर सेवा समिति, खेरागढ़ का 11वाँ महारक्तदान शिविर

दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को अपना घर सेवा समिति खेरागढ़ द्वारा 11वाँ महा रक्तदान शिविर लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण समिति के पदाधिकारी द्वारा करके किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत खेरागढ़ के अध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग ने भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम में लोकहितम ब्लड बैंक आगरा, समर्पण ब्लड बैंक आगरा, एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा और जिला अस्पताल आगरा की टीमों द्वारा रक्त संकलन का कार्य किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन शर्मा शाकरिया द्वारा किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, युवा रक्तदाताओं में भारी जोश देखने को मिला, कुछ रक्तदाता परिवार सहित भी रक्तदान करने के लिए शिविर में पधारे। समिति की महिला सदस्यों द्वारा सभी रक्तदाताओं को जूस वितरण किया गया। समिति की तरफ से सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शिविर संयोजक श्री नरेश मंगल और श्री उमाशंकर गोयल ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। समिति के संस्थापक श्री रम्मोलाल गोयल ने शिविर में नेत्रदान की घोषणा की। समिति के ब्लड प्रबंधक श्री प्रमोद मित्तल एवं श्री प्रभात मंगल में बताया कि समिति जरूरतमंद लोगों को रक्त उपलब्ध करवाती है, कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री गिर्राज किशोर ने बताया कि एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन लोगों को जीवनदान मिल सकता है, समिति के संरक्षक श्री कृष्ण कुमार पंसारी ने बताया कि समिति नेत्रदान एवं देहदान के क्षेत्र में भी कार्य कर रही है, समिति का उद्देश्य जीते जी रक्तदान मरणोपरांत नेत्रदान एवं देहदान है। कार्यक्रम में श्री संजय बंसल, श्री देवेंद्र मित्तल, श्री मिठन लाल गर्ग, श्री मनीष गर्ग, श्री भगवान मित्तल, श्री शिवकुमार सिंघल, श्री विजय गर्ग, श्री बनवारी लाल सिंघल, श्री केशव गोयल, श्रीमती इंदू मित्तल, श्रीमती ललिता मित्तल, श्रीमती निधि जिंदल श्रीमती सुनीता गोयल एवं अन्य महिलाएं और समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

करुणामयी विनती

''अगर कहीं कोई प्रभु स्वरूप असहाय, लावारिस, बीमार स्थिति में पड़े तड़प रहे हैं, पता नहीं बता पा रहे हैं आप उन्हें अपना घर आश्रमों में पहुंचाने में मदद कर ईश्वरीय कार्य में भागीदारी कर सकते हैं।''

बेसहारा, बीमार, असहाय, प्रभुजनों की सेवा ही हमारी पूजा एवं आराधना है।

अपना घर सेवा समिति गंगापुर सिटी का निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर

अपना घर सेवा समिति, गंगापुरसिटी, लायंस क्लब गरिमा एवं एंकर सेवा समिति, दौसा के तकनीकी सहयोग से दिनांक 21 दिसम्बर, 2025 को एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर करौली रोड स्थित श्री कृष्णा हॉस्पिटल में श्री शिवरतन अग्रवाल सभापति, नगर परिषद, गंगापुर सिटी के मुख्य आतिथ्य में एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष व कार्यक्रम अध्यक्ष श्री रमेश चंद पट्टीवाले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ भारती के चित्रपट के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। मंचासीन अतिथियों, डॉक्टर्स एवं उनकी टीम का तिलक लगाकर, दुपट्टा पहनाकर एवं अपना घर का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात समिति अध्यक्ष श्री अशोक कुमार बंसल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री रमेश चंद पट्टीवालों द्वारा अपने उद्बोधन में अपना घर संस्था की रीति नीति एवं व्यवस्थाओं के बारे में एवं लायंस क्लब गरिमा के पूर्व अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार गोयल द्वारा लायंस क्लब गरिमा द्वारा सात वर्ष से अनवरत लगाए जा रहे निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के बारे में विस्तार से अवगत कराया। मुख्य अतिथि श्री शिवरतन जी अग्रवाल सभापति द्वारा उद्बोधन में अपना घर सेवा समिति एवं लायंस क्लब गरिमा द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की एवं उन्होंने विश्वास दिलाया कि सेवा कार्यों के लिए जब भी मेरी आवश्यकता हो मेरे द्वारा तन मन एवं धन से हमेशा सहयोग रहेगा। समिति सचिव श्री अभिषेक रावत ने बताया कि शिविर में 189 मरीजों का पंजीयन कर नेत्र परीक्षण किया गया परीक्षण के बाद 127 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्री वासुदेव बंसल द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया एवं सह संयोजक श्री नरेश अग्रवाल व श्री गोपाल लाल गर्ग एवं लायन मुकेश राजाराम मीणा का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन लायंस क्लब सदस्य एवं समिति सदस्य श्री मनीष सागवान द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया।

इस अवसर पर समिति की पुरुष इकाई के संरक्षक श्री मोतीलाल रावत, डॉ. एन. आर. मीणा समिति उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सिंह चौधरी, श्री शिवनारायण गुप्ता सचिव, श्री अभिषेक रावत, वित्त सचिव श्री राजेश अकाउंटेंट, सह वित्त सचिव श्री गिर्राज प्रसाद गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य श्री मोहनलाल मित्तल, श्री गिरीश मित्तल, श्री अशोक कुमार शर्मा, समिति सदस्य श्री नवल किशोर बरिया वाले, श्री गोविंद खण्डेलवाल, श्री सतीश गुप्ता, श्री विनोद अग्रवाल, श्री सोमव्रत अग्रवाल, श्री मुरारी लाल मिजौरा वाले, श्री राम गोपाल शर्मा, श्री महेश तिवारी (प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय प्रभारी अन्तर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था) एवं महिला इकाई संरक्षक श्रीमती मंजूलता मौर्य अध्यक्ष श्रीमती सरोज रानी शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती कविता राजोरा, सचिव श्रीमती आरती शर्मा, सह सचिव श्रीमती रजनी शर्मा, सह वित्त सचिव श्रीमती प्रभा सागर आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

प्रभुस्वरूप आवासियों की दर्द भरी दास्तान

18 माह बाद भाई-बहिन का भावुक मिलन अपना घर आश्रम, भरतपुर में

दिनांक 11 नवम्बर 2025 को अपना घर आश्रम, भरतपुर में मंगलवार का दिन भावनाओं से भरा हुआ रहा, जब एक बहिन और उसके भाई का डेढ वर्ष बाद मिलन हुआ। इस मिलन का दृश्य देख वहाँ मौजूद सभी की आँखें नम हो गई। उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले के निवासी श्री उमेश गिरी (प्रभुजी) मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण मई 2024 में बिना बताए घर से निकल गई थे। प्रभुजी उमेश गिरी की माँ और बहिन ने हर जगह तलाश की, परन्तु कोई पता नहीं चला। दिनांक 22 मई 2025 को उन्हें जोधपुर से अपना घर आश्रम, भरतपुर में सेवा एवं उपचार हेतु भर्ती कराया गया था।

लगातार सेवा और उपचार से उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने घर और परिवार का पता बताया। आश्रम की पुनर्वास टीम ने तत्परता दिखाते हुए उत्तराखण्ड के जिला नैनीताल के बिन्दू खत्ता में स्थित उनके घर का पता लगाया और स्थानीय थाना लालकुआँ, नैनीताल के माध्यम से परिजनों को सूचना दी गई। जब बहिन प्रेमा देवी को यह ज्ञात हुआ कि उसका भाई जीवित है और अपना घर आश्रम, भरतपुर में है, तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

दिनांक 11 नवम्बर 2025 को उत्तराखण्ड से माँ तारा देवी, बहिन प्रेमा देवी के देवर गोपालनाथ भरतपुर पहुँचे। जैसे ही भाई-बहिन का आमना-सामना हुआ, दोनों एक-दूसरे से लिपटकर फूट-फूट कर रो पड़े। वहाँ मौजूद सभी लोग इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठे। बहिन ने बताया, "जब भाई घर से निकल गया था तो माँ और मैने मिलकर इसको सभी जगह तलाश किया और जब कहीं नहीं मिला तो हमने अपने स्थानीय थाना लालकुआँ, नैनीताल में गुमशुदा की शिकायत दर्ज भी की। उम्मीद का दामन छोड़ चुके थे लेकिन आज भाई के मिलने से मेरे तथा मेरी माँ के जीवन में फिर से उजाला लौट आया है।

आश्रम की पुनर्वास टीम द्वारा आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण करने के बाद, श्री उमेश गिरी को उनकी माँ तारा देवी, बहिन प्रेमा देवी के लिए सुपुर्द कर दिया गया। भाई-बहिन के इस भावुक मिलन ने केवल उपस्थित सभी लोगों की आँखें नम कर दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि अपना घर आश्रम जैसी संस्थाएं समाज के लिए सच में जीवंत मानवता की मिसाल हैं।

अपना ध्यान रखो, अपनों का ध्यान रखो।
जिनका कोई नहीं उनके भी, सपनों का ध्यान रखो।।

अपना घर आश्रम रायपुर में ठाकुर जी की लीला

अपना घर आश्रम, रायपुर की मेडिकल टीम दिनांक 08 दिसम्बर 2025 को 05 प्रभुजी लेकर आँखों के इलाज हेतु एमजीएम आई हॉस्पीटल, रायपुर लेकर गई। प्रभुजियों के जाँच के दौरान एक प्रभुजी जिनका नाम आश्रम रिकॉर्ड में धामन एवं घर का नाम झामनदास मानिकपुरी है की पोती वन्दना जो कि हॉस्पिटल में थी ने उनको पहचान लिया एवं बताया कि यह मेरे दादाजी हैं एवं अपनी माँ श्रीमति मेनका मानिकपुरी एवं अपनी दादी चमेली बाई मानिकपुरी को सूचना दी कि दादाजी मिल गए हैं। अपना घर आश्रम की टीम उनको इलाज हेतु एमजीएम हॉस्पीटल लाये हैं उनकी बेटी मेनका मानिकपुरी हॉस्पिटल पहुँची एवं अपने पिताजी को अपने साथ ले जाना चाहा। मैडिकल सेवासाथी ने उन्हें बताया कि अभी हम जाँच कराकर आश्रम ले जायेंगे आप आश्रम आकर ले जाये। शाम को उनके परिवार वाले आश्रम आये प्रभुजी को अपने साथ लेकर अत्यंत प्रसन्न होकर ले गए एवं आश्रम का आभार व्यक्त किया। उन्हें जानकारी दी गई कि उनका मोतियाबिंद का ऑपरेशन होना है वह उन्हें कल हॉस्पिटल लेकर जाये उनकी व्यवस्था हॉस्पिटल में (पर्ची देकर) कर दी गई है। प्रभुजी को मेकाहारा हॉस्पिटल द्वारा लायंस क्लब वृद्धाश्रम में भर्ती किया गया था जहाँ से डॉ. नेरल की सूचना पर अपना घर आश्रम, रायपुर दिनांक 15 जुलाई 2025 को सेवा उपचार हेतु भर्ती किया गया था।

अपना घर आश्रम, भोपाल में हुआ भाई का भाई से मिलन

दिनांक 9 अक्टूबर 2025 को श्री विशाल जी की सूचना पर बीएचईएल गेट नम्बर 6 से एक असहाय बीमार प्रभुजी को अर्धनग्न अवस्था में सेवा व पुनर्वास हेतु अपना घर आश्रम, भोपाल में भर्ती कराया गया। भर्ती के समय प्रभुजी ने अपना नाम दिलीप राजपूत एवं अपना पता दशहरा मैदान शिव शक्ति नगर भोपाल बताया लेकिन प्रभुजी मानसिक रूप से अस्वस्थ थे।

आश्रम में लाने के बाद प्रभुजी का ईलाज जयप्रकाश हॉस्पिटल में मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. श्री राजेंद्र बैरागी से कराया गया। लगभग एक माह के ईलाज एवं ममतामयी सेवाओं से प्रभुजी के स्वास्थ में सुधार हुआ तो प्रभुजी को अपने घर परिवार की याद आने लगी। इसी बीच प्रभुजी को अपने बड़े भाई श्री रमेश कुशवाह के मोबाइल नंबर याद आए जिस पर सम्पर्क किया गया लेकिन उस समय इनके भाई का नम्बर अस्थाई रूप से बंद

होने के कारण सम्पर्क नहीं हो पाया। कुछ दिन बाद पुनः इनके भाई से सम्पर्क किया तो बात हो पाई। दिनांक 18 नवम्बर 2025 को इनके भाई श्री रमेश कुशवाह एवं भतीजे श्री दीपक कुशवाह इन्हें लेने अपना घर आश्रम, भोपाल आये। इनके भाई ने बताया कि इनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है एवं इनका पहले से ही ईलाज चल रहा था, लेकिन यह 2 माह पहले बिना बताए घर से कहीं चले गए, इनको हमने बहुत खोजा लेकिन इनका कहीं भी पता नहीं चला। अपना घर आश्रम भोपाल में भाई को सकुशल देखकर बहुत खुश हुए। आश्रम द्वारा कार्यालय कार्यवाही पूर्णकर श्री दिलीप प्रभुजी इनके भाई श्री रमेश कुशवाह एवं भतीजे श्री दीपक के साथ इनके घर 91 शिव शक्ति नगर, छोला रोड, भोपाल के लिए सकुशल विदा किए गए।

अपना घर आश्रम, जोधपुर ने 1 वर्ष से लापता पिता-पुत्र का मिलाया

दिनांक 8 अक्टूबर 2025 को सूचनादाता श्री दलवीर सिंह की सूचना के आधार पर एक पुरूष प्रभुजी को आर पी एफ रेलवे स्टेशन मेड़ता रोड से लाकर अपना घर आश्रम, जोधपुर में भर्ती किया। भर्ती के समय प्रभुजी के सिर में काफी चोटें आई हुई थी। प्रभुजी का ईलाज मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर से करवाया गया। प्रभुजी ने अपना नाम किमती लाल बताया, पता नहीं बता पा रहे थे। कुछ दिनों की सेवा व उपचार के बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर प्रभुजी ने अपना पता गाँव धारीवाल, जिला गुरदासपुर पंजाब बताया। बताये गये पते के अनुसार प्रभुजी के गाँव में सूचना भिजवाई गई। सूचना को पाकर प्रभुजी के पिताजी से बात हुई। उन्होंने बताया कि मेरे बेटे को घर से निकले लगभग 1 वर्ष हो गया है। तलाशने पर उनके बारे में कोई भी जानकारी नहीं मिली। उन्हें बताया गया कि आपका बेटा अपना घर आश्रम जोधपुर में सकुशल है।

दिनांक 16 नवम्बर 2025 को प्रभुजी के पिताजी व चाचाजी लेने के लिए अपना घर आश्रम जोधपुर आये। अपने बेटे को सकुशल पाकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने बताया कि किमती लाल लगभग 1 साल पहले घर से मजदूरी के लिए निकला था। लेकिन वापस घर नहीं आने पर हमने ढूँढने का बहुत प्रयास किया लेकिन कहीं पर भी पता नहीं चल पाया। आखिर हार मान ली थी। जब गाँव के प्रधान का फोन आया तो एक बार यकीन भी नहीं हुआ। जब विडियो कॉल पर बात करायी तब जाकर यकीन हुआ। मैं अपने भाई को लेने जोधपुर के लिए तुरन्त रवाना हो गया। घर पर किमती लाल की माँ व भाई-बहन यह खबर सुनकर बहुत खुश हुए। सभी परिवारीजन किमती लाल से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। प्रभुजी श्री किमती लाल के पिताजी ने आश्रम का धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी साक्ष्यों की पुष्टि कर प्रभुजी श्री किमती लाल को अपने पिताजी व चाचाजी के साथ गाँव धारीवाल, जिला गुरदासपुर पंजाब के लिए सकुशल विदा किया।

सन्दीप की घर वापसी, जब ढूँढते–ढूँढते उम्मीदें टूटने लगी थीं ... तब तकनीक ने दी सफलता– अपना घर आश्रम, बस्सी में

ढाई साल से लापता 25 वर्षीय प्रभुजी संदीप की अपने परिवार से भावनात्मक घर वापसी एक ऐसी मानवीय कहानी बन गई है, जो बजरंगी भाई जान की याद दिला देती है। फिट्स (दौरे) आने और सिर पर गम्भीर चोट के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ स्थिति में भटके हुए प्रभुजी संदीप की तलाश में परिवार ने लगभग 50–60 हजार रुपये खर्च कर कई जगहों में खोज की, परन्तु कोई सफलता नहीं मिली।

प्रभुजी संदीप को बेहद दयनीय और असहाय स्थिति में अजमेरी गेट, जयपुर के पास से पूजा शर्मा जी द्वारा "अपना घर आश्रम बस्सी" में प्रवेश दिलाया गया। प्रवेश के समय उनकी मानसिक स्थिति खराब थी, सिर पर गम्भीर चोट थी और हाथ में कैनूला लगा हुआ था।

यहाँ उन्हें सुरक्षित वातावरण, देखभाल और पहचान की प्रक्रिया के अंतर्गत उपचार दिया गया। धीरे–धीरे संदीप के स्वास्थ्य में सुधार होने लगा। अपना घर की टीम ने बार–बार संदीप से उनके घर के बारे में पूछा, लेकिन वह हर बार महेंद्रगढ़, रिंगस, खेतड़ी जैसी अलग–अलग जगहें बताते रहे। इन्हीं बिखरी हुई जानकारियों के कारण ढाई साल तक संस्था की टीम को भी परिजनों से मिलवाने में असफलता मिलती रही, जिससे संदीप का पुनर्वास लगभग मुश्किल भरा हो गया।

पुनर्वास प्रक्रिया के तहत प्रभुजी संदीप की पहचान के लिए पूजा शर्मा के प्रयास से आधार एनरोलमेंट भी करवाया गया जिससे संदीप के घर का पता चल सकें, आख़िरकार सफलता राजस्थान पुलिस के राजकोप ऐप में उपलब्ध सीसीटीएनएस फेस मैचिंग तकनीक से मिली।

इस तकनीक के माध्यम से पता चला कि प्रभुजी संदीप की गुमशुदगी खाटूश्यामजी कोतवाली थाने में दर्ज है। इसके बाद खाटूश्यामजी चेयरमैन, पार्षद, एसएचओ श्री पवन चौबे, झुंझुनू एडिशनल एसपी श्री फूलचंद मीणा के सहयोग से परिवार से सम्पर्क स्थापित हुआ। जब परिवार "अपना घर बस्सी" पहुँचा और वर्षों बाद प्रभुजी संदीप को देखा, तो उनकी माताजी भावुक होकर फूट–फूटकर रो पड़ी। ढाई साल का दुःख, चिंता और टूटी हुई उम्मीदें एक ही क्षण में खुशी में बदल गईं। यह दृश्य किसी फिल्म जैसा हृदयस्पर्शी क्षण था।

प्रभुजी संदीप का पुनर्वास यह साबित करता है कि दयालुता + तकनीक + निरंतर प्रयास मिलकर ऐसी जिंदगियाँ बचा सकते हैं जो अन्यथा हमेशा के लिए खो जाती हैं। संस्था परिवार संदीप के पुनर्वास में सहयोगी एडिशनल एसपी झुंझुनू श्री फूलचंद मीणा, डॉ. मनीष श्रीवास्तव (आईएएस एलाईड), पूजा शर्मा (बैंकर), महेश गुर्जर राजकॉप ऐप टीम और सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से यह चमत्कारिक पुनर्वास सम्भव हो सका।

अपना घर आश्रम गांधीधाम में मामा –भांजे का अद्‌भुत मिलन

अपना घर आश्रम, गांधीधाम में प्रभुजी श्री मौहम्मद नासिर को दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को श्री दयाराम के द्वारा लाया गया था। प्रभुजी को जब लाया गया तब उनकी मानसिक स्थिति सही नहीं थी। प्रभुजी मौहम्मद नासिर औरंगाबाद बिहार के रहने वाले हैं। आश्रम द्वारा इनका मानसिक रोग विशेषज्ञ द्वारा इलाज करवाया गया और धीरे–धीरे सेवासाथियों की मदद और स्नेह से प्रभुजी मौहम्मद नासिर ठीक होने लगे। अब उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ। प्रभुजी को आश्रम में आए केवल डेढ़ महीना ही हुआ और प्रभुजी ने थोड़ा बहुत अपने घर का पता बताया, उसके आधार पर सोशल मीडिया के माध्यम से सेवासाथी द्वारा प्रभुजी के मामा का मोबाइल नम्बर प्राप्त किया गया। प्रभुजी के मामा श्री मौहम्मद इजहारूल हक से सम्पर्क किया गया और उन्हें जानकारी दी गई कि मौहम्मद नासिर अपना घर आश्रम, गांधीधाम गुजरात में है। प्रभुजी के मामा श्री मौहम्मद इजहारूल हक प्रभुजी को लेने आए। उन्होंने बताया कि प्रभुजी के पिताजी भी पिछले 8 वर्ष से कहीं चले गए हैं जो अभी तक मिल नहीं पाए हैं और प्रभुजी मौहम्मद नासिर भी पिछले डेढ़ वर्षो से लापता थे। वह अपने खोए हुए भांजे से मिलकर काफी खुश हुए और उन्होंने आश्रम के सभी सेवासाथियों का आभार व्यक्त किया है। केवल डेढ़ महीने में ही अपना घर आश्रम, गांधीधाम के सेवासाथियों द्वारा मिले स्नेह और प्यार के कारण पिछले डेढ़ साल से भटक रहे प्रभुजी को मामा के साथ औरंगाबाद (बिहार) भेजा गया।

माँ–बेटे का भावुक मिलन अपना घर आश्रम, वृन्दावन में

दिनांक 8 अगस्त 2025 को श्री प्रेमचंद प्रजापति की सूचना पर बृज बिहार वाटिका, बीसीए कॉलेज के पास, मथुरा से प्रभुजी लखन (दानिश) को असहाय स्थिति में रेस्क्यू कर सेवा एवं उपचार हेतु प्रवेश कराया। सेवासाथियों के द्वारा की गई ईश्वरीय सेवा एवं डॉ. रंजीत चौधरी के इलाज से इनके स्वास्थ्य में सुधार होने लगा। स्वास्थ्य में सुधार होने पर आश्रम के अध्यक्ष श्री धन्नाराम के द्वारा पूछताछ करने पर उन्होंने घर का पता खैरात अली मौहल्ला, मवाना, मेरठ बताया। प्रभुजी का फोटो एवं पते की जानकारी अपना घर आश्रम, मेरठ के कार्यालय में दी गई और प्रभुजी के घर की जानकारी करने के लिए बोला गया अपना घर आश्रम मेरठ के सेवासाथी के द्वारा प्रभुजी के घर की जानकारी स्वयं जाकर की गई एवं भाई का मोबाइल नम्बर आश्रम को दिया और बताया कि घर वाले इनको लेना नहीं चाहते क्योंकि

यह नशा करते हैं और घर पर नहीं रुकते हैं। मेरठ आश्रम से प्राप्त नम्बर पर प्रभारी विवेक पाठक के द्वारा प्रभुजी के भाई एवं माँ से वीडियोकॉल पर बात की। प्रभारी द्वारा समझाने पर परिवार वालों ने तत्काल लेने आने के लिए कहा। जब प्रभुजी की बात वीडियोकॉल पर कराई तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। दिनांक 5 दिसम्बर 2025 को प्रभुजी को लेने के लिए आश्रम आए एवं कार्यालय की कार्यवाही पूर्ण कर खुशी–खुशी प्रभुजी दानिश (लखन) को उनकी माँ एवं भाई के साथ पुनर्वासित किया। इस मौके पर अध्यक्ष धन्नाराम, विवेक पाठक, बादाम सिंह एवं अन्य सेवासाथी उपस्थित रहे।

जिन प्रभुजी को मृत समझकर गाँव वालों ने कर दिया था परिवार का भोज बंद वह मिली अपना घर आश्रम शामली में जीवित

दिनांक 13 अक्टूबर 2024 को एक महिला प्रभुजी को असहाय एवं बीमार स्थिति में एस.डी. कॉलेज पानीपत से श्री ललित कुमार की सूचना पर अपना घर आश्रम, शामली की रेस्क्यू टीम द्वारा आश्रम में भर्ती किया गया था। प्रभुजी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी इस कारण प्रभुजी अपने विषय में कोई भी जानकारी नहीं दे पा रही थी। आश्रम द्वारा प्रभुजी का नाम सुनीता रखा गया प्रभुजी का इलाज मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण रॉय से कराया गया। उपचार एवं सेवा से प्रभुजी की स्थिति में सुधार होने लगा एवं प्रभुजी ने अपने घर जाने की इच्छा जताई। काउन्सलिंग करते समय प्रभुजी ने अपना पता गाँव काटी खास, जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) बताया। इन्टरनेट पर सर्च करने पर वहाँ के ग्राम प्रधान का नम्बर हमें प्राप्त हुआ, ग्राम प्रधान जी से सम्पर्क करने पर उनको प्रभुजी की पूरी जानकारी दी गई एवं उनसे विनती की गई कि उनको प्रभुजी की जो भी जानकारी प्राप्त हो कृपया हमें बताएं और लगभग 1 घंटे बाद ग्राम प्रधान जी ने हमारा प्रभुजी के परिवार में सम्पर्क कराया। प्रभुजी की बात उनकी बेटी व उनके पोते से कराई गई प्रभुजी एवं उनके परिवार वाले आपस में बातकर के बहुत खुश हुए। प्रभुजी के पोते अनिल ने बताया कि वह बहुत जल्दी अपनी दादी को लेने अपना घर आश्रम शामली आऐंगे।

दिनांक 22 नवम्बर 2025 को प्रभुजी के पति श्री मलखान सिंह अपने पोते श्री अनिल के साथ अपनी पत्नि सुनिता (राजकुमारी) को लेने अपना घर आश्रम, शामली आए। अनिल ने बताया की 2 साल पहले घर जलने के कारण उनकी दादी की मानसिक स्थिति खराब हो गई थी इस कारण वह डेढ़ साल पहले घर से बिना बताए निकल गई थी एवं बहुत खोजने पर भी नहीं मिली। आश्रम द्वारा आए फोन कॉल से उनको अपनी दादी की सूचना मिली। अनिल ने यह भी बताया कि दादीजी के ना मिलने के कारण गाँव वालों ने उनको मृत समझ लिया था एवं प्रभुजी की तेरहवीं न करने के कारण गाँव में हमारा भोज बन्द कर दिया था। अनिल ने कार्यालय कार्यवाही पूर्ण कर आश्रम का बहुत आभार व्यक्त किया तथा अपने दादाजी श्री मलखान सिंह के साथ अपनी दादी राजकुमारी (सुनीता प्रभुजी) को अपने गाँव काटी खास, जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश ले गए।

अपना घर आश्रम, गोवर्धन में चाचा-भतीजे का भावुक मिलन

श्री इरफान प्रभुजी को अपना घर आश्रम गोवर्धन में सेवा लेते हुए 6 महीने हो गये, प्रवेश के समय प्रभुजी श्री इरफान की मानसिक स्थिति ठीक ना होने के कारण वह अपने घर का पता बताने में असमर्थ थे। इनको श्री तुलसी गुर्जर, निवासी पेठा गोवर्धन की सूचना के आधार पर बेसहारा असहाय स्थिति में अपना घर आश्रम गोवर्धन की रेस्क्यू टीम के द्वारा रेस्क्यू करके सेवा उपचार एवं पुनर्वास हेतु भर्ती कराया। प्रभुजी का उपचार डॉ. रंजीत चौधरी, मथुरा के द्वारा कराया गया एवं आश्रम में ईश्वरीय सेवा से प्रभुजी के स्वास्थ्य में सुधार होने लगा तो प्रभुजी श्री इरफान से उनके घर का पता पूछा गया। उन्होंने अपना पता मस्जिद गली एरडोल महाराष्ट्र का रहने वाला बताया एवं अपने चाचा श्री नईमुद्दीन का मोबाइल नम्बर बताया। चाचा नईमुद्दीन के मोबाइल पर प्रभारी द्वारा बात की गई और नईमुद्दीन को उनके भतीजे इरफान के सकुशल होने की सूचना दी गई। प्रभुजी के सकुशल होने की सूचना पाकर चाचाजी बहुत खुश हुए उन्होंने बताया कि इरफान 1 साल से घर से गायब थे पूरे परिवार वालों ने काफी जगह पर तलाश किया और पुलिस थाने में भी रिपोर्ट दर्ज कराई लेकिन कहीं भी इरफान का पता ना चला। पूरा परिवार इरफान की वजह से टेंशन में रहने लगा था और बहुत सारी बातें दिमाग में आती थी कहीं इरफान के साथ कुछ गलत तो नहीं हो गया लेकिन ठाकुर जी को कुछ और ही मंजूर था। ठाकुर जी की कृपा से आपकी कॉल आ गई यह सुनकर मन में बहुत प्रसन्नता हुई और आश्रम प्रभारी लोकेश पचौरी द्वारा इरफान प्रभुजी के अपना घर आश्रम गोवर्धन में सकुशल होने की बात सुनकर खुशी से भाव विभोर होकर रोने लगे।

प्रभारी द्वारा प्रभुजी की बात चाचा नईमुद्दीन से कराई। फोन पर बात करते-करते चाचा -भतीजे आपस में भावुक होकर रोने लगे। चाचाजी ने प्रभुजी की बात इरफान की मम्मी श्रीमती चाँदनी से कराई बात करते ही वे फूट-फूटकर रोने लगी और माताजी चाँदनी ने बताया कि हमने अपने बेटे इरफान को कहाँ-कहाँ नहीं ढूँढा। 1 साल से इनको ढूँढ- ढूँढकर हमारे पूरे परिवार वाले बहुत परेशान हो चुके हैं और इसकी छोटी बहन बबली का रो-रोकर बहुत बुरा हाल है। इरफान की छोटी बहन इरफान को बहुत याद करती है। आश्रम प्रभारी लोकेश पचौरी के द्वारा प्रभुजी के चाचा नईमुद्दीन एवं उनकी मम्मी श्रीमती चाँदनी को समझाया गया कि आप चिंता ना करें आपके भतीजे एवं बेटा इरफान हमारे अपना घर आश्रम, गोवर्धन में सकुशल हैं आप इनको लेने आ जाओ।

इरफान प्रभुजी के चाचा और चाचा के दोस्त श्री आनंद, प्रभुजी को लेने के लिए ट्रेन के माध्यम से अपना घर आश्रम आ गए। अपने भतीजे को सकुशल देखकर गले से लगा लिया। चाचा-भतीजे का बड़ा ही भावुक मिलन था जो कि अपना घर आश्रम गोवर्धन में देखने लायक था। आश्रम द्वारा औपचारिक कार्यवाही कर समस्त सेवासाथियों की मौजूदगी में दिनांक 6 अक्टूबर 2025 को प्रभुजी इरफान को उनके चाचा के साथ सकुशल विदा किया।

समाचार पत्रों में 'अपना घर'

परिजन मृत मान कर चुके थे अंतिम संस्कार, जिंदा देखा तो नहीं रहा खुशी का ठिकाना

अपना घर के प्रयासों से पुनर्वास, छत्तीसगढ़ का दिलीप तिग्गा पांच साल बाद परिजनों से मिला

भास्कर न्यूज | बाड़ी

छत्तीसगढ़ के जसपुर जिले के जोबा टोली निवासी दिलीप तिग्गा 5 साल पहले मानसिक स्थिति खराब होने पर अपने घर से लापता हो गया था।

वह पांच साल बाद अपने जन्म स्थान से 1200 किलोमीटर दूर बाड़ी शहर के अपना घर आश्रम में मिला है। परिजन उसके जिंदा होने की उम्मीद छोड़ चुके थे और उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था। लेकिन होनी को उसकी फिर से घर वापसी करनी थी। ऐसे में उसे अपनों से मिला दिया। अपना घर आश्रम के अध्यक्ष सुनील गर्ग ने बताया कि यह पिछले साल जून 2024 को अपना घर आश्रम भरतपुर से सेवा उपचार इलाज के लिए प्रभु आवासीय व्यवस्था अंतर्गत बाड़ी आश्रम में शिफ्ट किए गए थे । यहां पर इनका सेवा उपचार एवं इलाज किया गया।

जिससे मानसिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ और उनकी याददाश्त वापस लौटने पर घर परिवार याद आया। मानसिक स्थिति ठीक होने पर उन्होंने अपना नाम पता दिलीप तिग्गा जोवाटोली छत्तीसगढ़ बताया। गूगल इंटरनेट पर सर्च करने पर यह जसपुर जिले के छत्तीसगढ़ में पाया गया।

आश्रम की कोशिशों ने अपनों से मिलवाया

बाड़ी. आश्रम से दिलीप को अपने साथ लेकर जाते परिजन।

दिलीप को देख परिजनों की आंख भर आई:- दिलीप को देख परिजनों की आंखें भर आई। शनिवार को अपना घर आश्रम के कार्यालय में कागजी कार्रवाई पूरी कर परिजन उनको अपने साथ लेकर गए है। इस अवसर पर अपना घर आश्रम से दिलीप को ससम्मान विदा किया गया। इस दौरान आश्रम के राजकुमार गर्ग, नितेश प्रजापति, सचिन, अमन, राकेश, सोनू सहित सभी सेवा साथी मौजूद रहे ।

अपना घर के आश्रम एवं काउंसलर प्रभारी राजकुमार गर्ग ने लगातार कोशिश की और आखिरकार परिवार का पता लगा लिया गया। जब मोबाइल पर इनके भाई नरेश को दिलीप तिग्गा के अपना घर आश्रम में सकुशल होने की सूचना दी गई तो एक बार को तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। क्योंकि वह तो इन्हें मृत मानकर अंतिम संस्कार कर चुके थे। इसके बाद वीडियो कॉल पर परिवारजनों से उनको रूबरू कराया गया। परिवार के बारे में पूरी जानकारी ली गई जो सही पाई गई।

अपना घर आश्रम: किसी ने एक लाख, किसी ने 5100 रुपए का दिया दान

कार्यक्रम में मौजूद नागरिक।

भास्कर संवाददाता | विदिशा

अपना घर आश्रम में आजीवन सदस्यों, सहयोगियों और दानदाताओं का सम्मेलन हुआ। इसमें आश्रम को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया गया। अभी आश्रम का मासिक खर्च भरतपुर मुख्यालय से मिलता है। सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय सहयोग बढ़ाना था।

कार्यक्रम में कई दानदाताओं ने उदारता से सहयोग राशि दी। नागरिक सेवा समिति गंजबासौदा ने 1 लाख रुपए का योगदान किया। पुष्पक राव पवार और सुशीला पवार ने 21-21 हजार रुपए दिए। आजीवन सदस्य सनमान सिंह जाटव ने हर साल नवंबर में 11 हजार रुपए देने की घोषणा की। नरेंद्र सिंह रघुवंशी ने 2100 और कु. मानसी रघुवंशी ने 5100 रुपए का सहयोग दिया। डॉ. सौरभ जैन ने 11 हजार रुपए दिए। डॉ. राजीव जैन के ससुर स्व. डॉ. इंद्रकुमार जैन की स्मृति में 5 हजार रुपए की राशि दी गई। आश्रम के संरक्षक बाबूजी श्री विट्ठलदास डांगरा ने सम्मेलन और प्रभुजनों के भोजन के लिए 31 हजार रुपए समर्पित किए। आजीवन सदस्यता के लिए नीता विपिन सराफ, अंजू प्रदीप मित्तल और लता गोपाल कुशवाहा ने 11-11 हजार रुपए जमा किए। कई सदस्यों ने हर साल सहयोग देने की घोषणा की। इनमें डॉ. शांतिलाल पीतलिया, राधेश्याम माहेश्वरी, अनाज तिलहन संघ विदिशा, राहुल कृति शर्मा (अमेरिका) और राजेंद्र जैन दंपत्ति शामिल हैं। भरत पटेल ने प्रभुजनों के लिए 4750 रुपए की राशन सामग्री भेंट की।

55 साल बाद लापता हुए बुजुर्ग की घर वापसी

पत्रकार प्रहलाद शर्मा

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मालपुरा। एक प्रयास घर वापसी का अभियान के संस्थापक मालपुरा निवासी रजनीश जैन मैंदवास्या ने बताया कि दिल्ली पुलिस से अजय झा , जितेंद्र सुमन और अपना घर आश्रम भरतपुर से नेत्रपाल सिंह के संयुक्त प्रयास से दिलदार जी की 55 साल बाद सफल घर वापसी हुई। अपना घर आश्रम से एक प्रयास घर वापसी का अभियान को 78 वर्षीय बुजुर्ग का मामला सामने आया। उनकी दी गई अधूरी और पुरानी जानकारी के आधार पर जब दिल्ली पुलिस के ASI अजय झा ने जांच शुरू की, तो यह पता चला कि जिन दुकानों और स्थानों का जिक्र बुजुर्ग कर रहे थे, वे लगभग 20 साल पहले ही वहां से हटा दिए गए थे। ऐसा लगा कि इस केस को सुलझा पाना शायद मुमकिन नहीं होगा लेकिन अजय झा और एक प्रयास घर वापसी का अभियान ने हार नहीं मानी। सात दिनों तक लगातार प्रयास करते हुए आखिरकार बुजुर्ग के भाई और बहन का पता लगा लिया गया। परिवार से बातचीत में पता चला कि बुजुर्ग मानसिक तनाव के चलते मात्र 23 वर्ष की उम्र में घर से निकल गए थे और तब से लापता थे। जितेंद्र सुमन ने भी इस दिशा में भरपूर सहयोग किया और स्थानीय पार्षद मंगत राम से चर्चा कर आवश्यक जानकारी जुटाने में मदद की। दिलदार सिंह ने बताया कि इन 55 वर्षों में उन्होंने उत्तर भारत के

विभिन्न राज्यों दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में भटकते हुए समय बिताया। शुरू में उन्होंने सड़कों पर जीवन बिताया, फिर गुरुद्वारों और आश्रमों में शरण ली। हाल ही में वे अपना घर आश्रम, भरतपुर पहुंचे, जहां नेत्रपाल सिंह और अनुभवी काउंसलिंग टीम ने उनसे बातचीत कर परिवार से जुड़ी जानकारियां एकत्र की। जब उनके भाई से वीडियो कॉल पर दिलदार की बात कराई गई, तो भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। परिवार उन्हें पहचान कर बेहद भावुक हो गया और तुरंत ही उन्हें लेने आश्रम पहुंच गया। इस असंभव से लगने वाले कार्य को संभव बनाने के लिए ASI अजय झा, 'एक प्रयास घर वापसी का अभियान , अपना घर आश्रम भरतपुर की पूरी टीम और जितेंद्र सुमन धन्यवाद के पात्र हैं। यह क्षण न केवल दिलदार जी और उनके परिवार के लिए, बल्कि सभी के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा।

सेवा का ये दीपक; प्रभुजनों के जीवन में हर दिन रोशनी करेगा, अपना घर आश्रम में हल्दी दूध सेवा का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | जयपुर

दैनिक भास्कर प्रतिदिन आश्रम में 191 प्रभुजनों के लिए भेजेगा हल्दी दूध

दैनिक भास्कर समूह के चेयरमैन स्व. रमेशचंद्र अग्रवाल का 81वां जन्मदिवस रविवार को प्रेरणा उत्सव के रूप में मनाया गया।

आगरा रोड स्थित अपना घर आश्रम जामडोली में प्रभुजनों के लिए हल्दी दूध सेवा का शुभारंभ किया गया। प्रभुजनों को दूध पिलाया गया। साथ ही प्रभुजनों से बातचीत कर उनके हाल-चाल जाने। इस अवसर पर प्रभुजनों ने कविताएं भी सुनाई। इस आश्रम में 191 प्रभुजन रहते हैं, जिनके लिए प्रतिदिन दैनिक भास्कर की ओर से हल्दी दूध पहुंचाया जाएगा। दैनिक भास्कर के प्रबंध संपादक जगदीश शर्मा व नेशनल एडिटर एलपी पंत, एडिशनल कमिश्नर योगेश दाधीच, न्यायिक सदस्य रीता कोहली, एनसीएलटी की डिप्टी रजिस्ट्रार नेहा दाधीच, एनबीसी के विजय बासोतिया, समाज कल्याण विभाग के डिप्टी डायरेक्टर अजय मीणा व रविकांत ने अपना घर आश्रम में हल्दी दूध सेवा का शुभारंभ किया। इस दौरान अपना घर आश्रम के अध्यक्ष अमिताभ कौशिक, उपाध्यक्ष कविता मीणा, महासचिव रिम्मू खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष संदीप सोगानी, भोजन व्यवस्था प्रभारी पंकज जैन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जामडोली स्थित महिला आश्रम में रविवार को हल्दी दूध सेवा का शुभारंभ किया गया। -फोटो : अनिल शर्मा

अपना घर आश्रम के अध्यक्ष अमिताभ कौशिक ने बताया कि अगर किसी भी नागरिक को शहर में कहीं पर भी लावारिस अवस्था में कोई दिखे तो अपना घर आश्रम में **9414040388** नंबर पर सूचना दे सकते हैं। ताकि इधर-उधर भटक व्यक्ति को प्रभुजी को अपना घर आ में लाकर सेवा की जा सकें।

प्रभु जी सेवा संस्थान • एक माह में तीन बिछड़ों को परिवार से मिलाया

सालों से दो बिछड़ों को परिजनों से मिलवाया

सिटीरिपोर्टर | डबरा

अपना घर आश्रम में आधार कार्ड बनाने की शुरुआत होने से अपने से सालों से बिछड़े लोगों का मिलन हो रहा है। बुधवार को दो और प्रभुजी अपने परिवार के लोगों को मिल गए। एक व्यक्ति उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का और दूसरा मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का रहने वाला है।

दरअसल शहर में प्रभु जी सेवा संस्थान द्वारा अपना घर आश्रम का संचालन किया जा रहा है। यहां मंदबुद्धि और परिवार से बिछड़े लोगों को आश्रय दिया जाता है। डबरा एसडीएम दिव्यांशु चौधरी और तहसीलदार दर्शन शर्मा ने संस्थान में रह रहे प्रभुजी के आधार कार्ड बनाने की पहल की। मुरादाबाद के दानिश उर्फ करमचंद पिछले 6 साल से अपने परिवार से दूर थे। वहीं बैतूल निवासी देवेंद्र उर्फ देवांश 3 साल बाद अपने परिवार से मिल सके। जब इनके आधार कार्ड बनाने का प्रयास किया गया, तो पता चला कि इनके आधार कार्ड पहले से ही बने हुए हैं। इसी आधार पर परिजनों से संपर्क किया गया। आश्रम के प्रमुख मनीष ने बताया कि आधार कार्ड बनाने की शुरुआत से अब तक तीन प्रभुजी अपने परिवार से मिल चुके हैं। तहसीलदार दिव्यदर्शन शर्मा ने कहा कि प्रभु जी सेवा आश्रम में आधार कार्ड बनाने का कार्य निरंतर जारी है। पहले भी एक व्यक्ति अपने परिवार से मिल चुका है। आधार ने इन परिवारों को फिर से खुशियां दी हैं।

अपना घर आश्रम में बिछड़ों को मिलाते संस्था के सदस्य।

बेसहारों का बना सहारा : अपना घर आश्रम ने दो साल से बिछड़े भाइयों से मिलाया नकाराम को

उदयपुर दोपहर (वि.)। अपना घर आश्रम उदयपुर ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश करते हुए दो वर्षों से परिवार से बिछड़े एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति, नकाराम का उसके भाइयों से मिलन कराया।

पुलिस थाना झाड़ोल के ओमप्रकाश विश्नोई द्वारा मिली सूचना के आधार पर झाड़ोल के फलासिया क्षेत्र से एक मानसिक रूप से अस्वस्थ और आश्रयहीन व्यक्ति को रेस्क्यू किया गया और उसे अपना घर आश्रम में भर्ती किया गया। काउंसलिंग के दौरान, उस व्यक्ति ने अपना नाम नकाराम बताया और उसने अपनी पहचान में अपने भाइयों, प्रकाश और गणेश के बारे में जानकारी दी, साथ ही डड़ावली, झाड़ोल, उदयपुर को अपना घर बताया।

आश्रम प्रभारी सुल्तान सिंह ने इस जानकारी के आधार पर नकाराम के परिवार से संपर्क किया। गुरुवार को नकाराम के दोनों भाई, प्रकाश और गणेश, आश्रम पहुँचे और अपने भाई को पुनः प्राप्त किया। प्रकाश ने बताया कि नकाराम लगभग दो साल पहले अचानक घर से लापता हो गया था, और तब से परिवार ने उसकी तलाश जारी रखी थी।

आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, आश्रम के अध्यक्ष गोपाल कनेरिया, सहसचिव सुनील चौहान, वित्त सचिव प्रकाश जोशी और आश्रम प्रभारी सुल्तान सिंह ने नकाराम को सम्मानपूर्वक तिलक, उपरना और पगड़ी पहनाकर उसे उसके घर विदा किया।

आश्रम के अध्यक्ष गोपाल कनेरिया ने कहा, अपना घर आश्रम ने पिछले साढ़े चार वर्षों में उदयपुर संभाग से कुल 39[illegible] व्यक्तियों का रेस्क्यू किया है, जिनमें से 10[illegible] व्यक्तियों का सफलतापूर्वक उनके परिवार से पुनर्मिलन कराया गया है।

रोटरी क्लब की प्रेरणा से विलोवुड लिमिटेड कोलकाता ने दी सहायता

मून्धड़ा परिवार ने अपना घर वृद्धाश्रम में भेंट की लाइफ सेविंग एम्बुलेंस

बीकानेर| बीकानेर के भामाशाह मून्धड़ा परिवार के सदस्य विजय मोहन मून्धड़ा ने अपनी मातृभूमि बीकानेर में संचालित अपनाघर वृद्धाश्रम में निवास करने वाले 250 प्रभुजी की आपातकालीन सेवाओं को मद्देनजर रखते हुए एक लाइफ सेविंग इक्विपमेंट से सुसज्जित एम्बुलेंस भेंट की। रोटल क्लब अध्यक्ष दीन दयाल व्यास ने बताया कि बीकानेर के प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी हरिमोहन, शशिमोहन मून्धड़ा से संपर्क करने पर उनके प्रयास से विलोवुड लिमिटेड कोलकाता द्वारा यह एम्बुलेंस प्रदान की गई है। प्रकल्प समन्वयक रोटेरियन किशन मून्धड़ा ने बताया इस एम्बुलेंस को रोटरी इन्टरनेशनल डिस्ट्रिक्ट के 5 सदस्यीय एक दल के अमेरिका से बीकानेर आगमन पर दल सदस्यों तथा पूर्व प्रान्तपाल अनिल माहेश्वरी, प्रान्तपाल निर्वाचित मनीष तापड़िया के कर कमलों द्वारा अपनाघर वृद्धाश्रम के अध्यक्ष अशोक मून्धड़ा एवं उनकी टीम को एम्बुलेंस सुपुर्द की गई। रोटरी क्लब सचिव आलोक प्रताप सिंह ने बताया कि इस एम्बुलेंस में सभी तरह के लाइफ सेविंग एक्यूपमेंट लगे हैं। विलोवुड लिमिटेड द्वारा इस साल के मध्य में प्रभुजी की टेस्टिंग हेत ऑटोमेटिक मशीनें प्रदान की गई। इस अवसर पर अपना घर परिवार से नरेश मित्तल, अनंतवीर जैन, रमेश राठी तथा रोटरी परिवार से किशोर सिंह राजपुरोहित, तरूण मोहता, दीपक बंसल, सुनील सारडा, शंकरलाल सोनी, संजय छिंपा, राजेन्द्र बोथरा, विकास केली, महेन्द्र चूरा, रजनीश व्यास, कुणाल कोचर, अम्बुज गुप्ता, डॉ. एमसी दाधीच, एसजी सोनी, ओमप्रकाश करनाणी, केके मेहता, घनश्याम कोठारी, मनमोहन कल्याणी, रीता गुप्ता, सहित साथी उपस्थित थे।

जरूरतमंद और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों की जांच के लिए नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया

फरीदकोट, 11 दिसम्बर (जसबीर कौर जस्सी) : असहाय और विशेष आवश्यकता वाले लोगों की जांच के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन - अपना घर आश्रम का एकमात्र उद्देश्य है कि कोई भी भूखा न रहे, सभी स्वस्थ और सुखी रहें। इसी क्रम में, आज फरीदकोट के सराफा बाजार स्थित अपना घर आश्रम गीता भवन में निशुल्क कान, कान, कान और गले की जांच का शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर में, प्रभु जी के रूप में आदरणीय सभी असहाय और विशेष आवश्यकता वाले लोगों के कानों की जांच और सफाई की गई। यह सेवा फरीदकोट के सिविल अस्पताल के कान, कान और गले के विशेषज्ञ डॉ. प्रभाकीरत सिंह द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर, अपना घर आश्रम के अध्यक्ष और चिकित्सा प्रभारी श्री केवल कृष्ण कटारिया ने कहा कि आश्रम परिवार को क्षेत्र के विशेषज्ञों, फरीदकोट के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. परमजीत सिंह बराड़ और कान, कान और गले के विशेषज्ञ डॉ. हरिंदर सिंह पर गर्व है।

आज डॉ. प्रभकीरत सिंह के मार्गदर्शन में एक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान सभी प्रभु जी की स्वास्थ्य जांच संतोषजनक ढंग से संपन्न हुई।

इस अवसर पर आश्रम सचिव श्री विजिंदर विनायक, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता हरीश वर्मा, सोम प्रकाश कक्कड़, भूपिंदर सिंह औलख, आश्रम कार्यालय प्रभारी कपाल कटारिया और सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

चिकित्सा जांच शिविर के दौरान डॉ. प्रभकीरत सिंह,, आश्रम अध्यक्ष केवल कृष्ण कटारिया, सामाजिक कार्यकर्ता हरीश वर्मा और अन्य।

मानव सेवा अपना घर आश्रम, बिजयनगर द्वारा एक लावारिस, जरूरतमंद एवं मंदबुद्धि पुरुष रविंद्र (आयु लगभग 25 वर्ष) का रेस्क्यू किया गया

नवप्रीत टुटेजा न्यूज

बिजयनगर/ तरनदीप सिंह । सूचना दाता महेंद्र सिंह जी एवं रामलाल द्वारा फोन द्वारा बताया गया कि रविंद्र पिछले लगभग एक सप्ताह से गांव केसरपुरा, लौडीयाना रोड, विजयनगर क्षेत्र में अत्यंत खराब स्थिति में सड़कों पर घूमता फिर रहा था। सर्दी का मौसम आरंभ होने के कारण उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय थी। आश्रम द्वारा सूचना दाता को सलाह दी की समीपवर्ती विजयनगर थाने में उक्त व्यक्ति को ले आए। फिर पुलिस थाना की आवश्यक कार्यवाही के बाद उक्त जरूरतमंद को सेवा के लिए आश्रम में लिया जाएगा। सूचना प्राप्त होते ही आश्रम की रेस्क्यू टीम तत्काल थाने पर पहुँची तथा आवासी रविंद्र को आश्रम की एंबुलेंस के माध्यम से सुरक्षित रूप से लाया गया। वर्तमान में

आवासी रविंद्र को मानव सेवा अपना घर आश्रम, बिजयनगर में सुरक्षित रखकर उसकी सेवा, देखभाल एवं आवश्यक चिकित्सीय सहायता प्रदान की जा रही है। सूचना दाता महेन्द्र सिंह जी, रामलालजी व केशरपुरा गांववासियों के मानव सेवा भावना की तारीफ की जाएगी की जरूरतमंद, बेघर व्यक्ति की समय पर ध्यान दिया

और थाना/आश्रम तक पहुंचाया। अधिकतर देखा गया है की अनजान जरूरतमंद को कुछ पैसे या तंबाखू या चाय पिला कर कई व्यक्ति सोचते है की मानव सेवा हो गई है जो एक गलतफहमी है। इससे जरूरतमंद की यह आदत अफीम, तंबाकू, चाय, बीडी, कुछ पैसे आदि की सुविधाजनक आदत हो जाती है। इन व्यक्तियों के शरीर में खून की कमी पाई गई है। अत: बेहतर हैं की ऐसे व्यक्तियों को सुविधाजनक जगह पर पहुंचाया जाए।

#SocialNews: अपना घर आश्रम में बोर्ड पर चिट्ठी देख मदद करते हैं भामाशाह

यहां जरूरतमंदों की मदद के लिए आज भी लिखी जाती है 'ठाकुरजी को चिट्ठी'

पत्रिका ह्यूमन एंगल

वर्तमान में 310 मानसिक विक्षिप्त व बेसहारा को मिल रहा आसरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

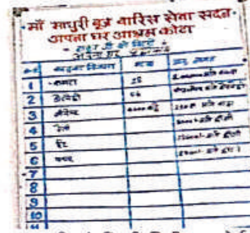

अपना घर आश्रम में सर्दी में धूप खाते निराश्रित। इधर, आवश्यक सामग्री के लिए ठाकुरजी को लिखी चिट्ठी का बोर्ड।

कोटा. कोटा के अपना घर आश्रम में रहने वाले निराश्रितों के लिए आज भी सहयोग राशि के लिए किसी से चंदे की गुहार नहीं लगाई जाती। आज भी यहां जरूरतमंदों की आवश्यकता की वस्तुओं के लिए बोर्ड पर ठाकुरजी को चिट्ठी लिखी जाती है। भामाशाह खुद यहां आकर इस चिट्ठी को पढ़कर जरूरतमंदों के लिए आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करवाते हैं।

कोटा का अपना घर आश्रम 2012 में नांता स्थित नारी निकेतन के भवन में शुरू हुआ था। उस समय यहां कोटा के 25 और जयपुर के 25 निराश्रितों को रखा गया। 2017 में इसे पॉलिटेक्निक कॉलेज के निकट खंडहर पड़े भवन में शिफ्ट किया गया। इसके बाद से निराश्रित लोगों की यहां निशुल्क सेवा की जा रही है। वर्तमान में आश्रम में 185 निराश्रित और बीमार महिलाएं और 125 निराश्रित पुरुष रह रहे हैं। इनकी देखभाल के लिए 54 लोग यहां केयर टेकर समेत अन्य कार्य कर रहे हैं।

वृद्धाश्रम की जरूरत के लिए भी लिखी चिट्ठी

अपना घर आश्रम की ओर से बजरंग नगर क्षेत्र में वृद्धाश्रम का भी निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में इसके लिए आवश्यक निर्माण सामग्री के लिए ठाकुरजी को चिट्ठी लिख दी गई है। इसके अलावा आश्रम के लिए आवश्यक सामग्री के लिए ठाकुरजी को चिट्ठी लिखी जा चुकी है। ऐसे में भामाशाह और दानदाता बोर्ड पर लिखी गई इस चिट्ठी को देखकर अपनी क्षमता के अनुसार यहां सामग्री उपलब्ध करवाते हैं।

902 बिछड़ों को अपनों से मिलाया

अपना घर आश्रम निराश्रितों का उपचार कराने के बाद अब तक 902 निराश्रित लोगों को उनके परिजनों से मिला चुका है। अब तक यहां 2339 निराश्रितों को प्रवेश दिया जा चुका है। 856 निराश्रितों को अन्य आश्रमों में स्थानान्तरित किया जा चुका है।

विवरण	संख्या
प्रवेशित	2339
पुनर्वासित	902
स्थानान्तरित	856
मृत	267
वर्तमान	310
सेवासाथी	54

27 देहदान भी हो चुके

पॉलिटेक्निक कॉलेज के व्याख्याता नरेन्द्र सिंह सेंगर बताते हैं कि आश्रम को सरकार की ओर से मृतकों के देह मेडिकल कॉलेज को देने की अनुमति भी दी गई है। ऐसे में अब तक आश्रम में उपचार के दौरान अज्ञात लोगों की मौत होने पर 26 देह मेडिकल कॉलेज कोटा को और 1 देह आयुर्वेदिक कॉलेज कोटा को दी जा चुकी हैं।

चंदा मांगने की परम्परा नहीं

अपना घर आश्रम में किसी से चंदा मांगने की परम्परा नहीं है। आश्रम संचालकों का मानना है कि यदि कोई पुनीत कार्य किया जाए तो ठाकुरजी उसकी पूरी मदद करते हैं। ऐसे में यहां निराश्रितों की जरूरत के लिए ठाकुरजी को चिट्ठी लिखने के लिए बोर्ड पर जरूरत का सामान लिख दिया जाता है। खुद भामाशाह मानवता की सेवा के लिए यहां आकर जरूरत की वस्तुओं उपलब्ध करवाते हैं।

योगेन्द्र मणि कौशिक,
अध्यक्ष, अपना घर आश्रम, कोटा

अपनाघर समिति ने डीग के 9 आंगनबाड़ी केंद्रों पर 176 बच्चों को बांटी गर्म जर्सियां

डीग। अपना घर सेवा समिति डीग द्वारा डीग उपखंड के श्रीपुर, गदालपुर, नगला कोकिला, नगला मोती, इकलहरा, भीलम्का, परमदरा, पास्ता और नरेना चौथ गावों के आंगनबाड़ी केंद्रों पर समिति के संरक्षक चंद्रभान शर्मा के नेतृत्व में176 बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म जर्सियां वितरित की गई। समिति के वित्त सचिव दिनेश पाराशर ने बताया कि अपना घर सेवा समिति डीग द्वारा डीग क्षेत्र के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों को 2600 जर्सियां वितरित की जाएंगी।

जिसे मरा समझा वो जीवित मिली

अपनाघर आश्रम में महिला को परिजनों से मिलाते हुए। छाया पीपीजे न्यूज

शामली (पीपीजे न्यूज)। जिस महिला को मृत समझ कर गांव वालों ने परिवार का भोज बंद कर दिया था वह अपना घर आश्रम मे जीवित मिली।

गत 13 अक्तूबर 2024 को एक महिला को लावारिस एवं असहाय स्थिति एसडी कॉलेज पानीपत से ललित कुमार की सूचना पर अपना घर आश्रम मे भर्ती किया गया था। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, यह अपने बारे में कोई भी जानकारी नहीं दे पा रही थी। उसका इलाज मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण रॉय से कराया गया। उपचार एवं सेवा से उसकी स्थिति में सुधार होने लगा एवं उसने अपने घर जाने की इच्छा जताई।काउंसलिंग करते समय उसने अपना पता गांव काटी खास, टीकमगढ़ मध्य प्रदेश बताया। वहां के ग्राम प्रधान से संपर्क करने पर उनको उसकी पूरी जानकारी दी गई। लगभग 1 घंटे बाद ग्राम प्रधान ने उसके परिवार में संपर्क कराया। जिसे उसके परिवारजन सकुशल वापस ले गए।

इसके अलावा एक अन्य महिला को गत 29 सितंबर को बडसूमा पुलिस ने लावारिस स्थिति में अपना घर आश्रम शामली में भर्ती किया। उसने अपना नाम ममता बताया। उपचार से उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होने लगा, उसने अपने घर जाने की इच्छा जताई तथा अपना पता पप्पू कॉलोनी शालीमार गार्डन गाज़ियाबाद बताया। उसके पिता ओमप्रकाश अपने पड़ोसी के साथ अपनी बेटी को लेने अपने घर आश्रम आए। ओमप्रकाश ने बताया, ममता लगभग 2 महीने पहले घर से बिना बताए निकल गई थी एवं बहुत खोजने पर भी नहीं मिली थाने द्वारा उनको इसकी जानकारी प्राप्त हुई।

पहली बार दिव्यांगों के लिए संचालित अपना घर में शादी, सिर्फ माला पर 50 रु. खर्च

अभिषेक ने सोनम के गले में वरमाला डालकर कहा- हम तुम्हारे हैं सनम, शादी में आए अनजान शख्स ने कहा-अनुकरणीय पहल और दे दिया दो लाख रु. का चेक

संजीव बांझल | शिवपुरी

शादी समारोह के दौरान एक-दूसरे के वरमाला के बाद साथ खड़े दूल्हा-दुल्हन।

पहली बार मानसिक दिव्यांगों के लिए संचालित अपना घर आश्रम में एक ऐसी शादी का आयोजन हुआ, जो शिवपुरी के इतिहास में नजीर बन गई। इस आयोजन के दौरान सिर्फ ₹50 की वरमाला से अभिषेक और सोनम हमेशा के लिए एक-दूसरे के हो गए। बदरवास के अभिषेक जैन, 34, ने सोनम गुप्ता, 25, के गले में वरमाला डालकर कहा, 'हम तुम्हारे हैं सनम। शादी में आए एक रिश्तेदार (अनजान व्यक्ति) ने इसे अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि वह इस आयोजन से अभिभूत हैं और अपना घर के संचालन के लिए ₹2 लाख की राशि देते हैं। लेकिन उन्होंने अनुरोध किया कि उनके नाम की घोषणा न की जाए। यह कहते हुए उन्होंने अपना चेक अपना घर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल को दे दिया।

दरअसल, 2022 में अपना घर की स्थापना हुई थी, जिसमें वर्तमान में 168 मानसिक दिव्यांग पुरुष और 38 महिलाएं निवास कर रही हैं। बदरवास के व्यवसायी अनिल जैन की अपना घर आश्रम के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल से पहचान रही है। वे नींव रखने के साथ ही अपना घर आते-जाते रहे हैं। यही वजह है कि यहां रहने वाले दिव्यांगों के संपर्क में लंबे समय से रहे और उन्हें कुछ नया करने का मन शुरू से था। जब बेटे अभिषेक की शादी की बारी आई, तो उन्होंने दिखावे से बचते हुए इसी स्थान से शादी करने का निर्णय लिया। इसमें वधू पक्ष भी तैयार हुआ और वर पक्ष भी। नतीजा यह रहा कि पहली बार अपना घर आश्रम में विवाह बंधन के जोड़े में नव दंपती बंधे हैं। जब इसकी सूचना शहर के समाजसेवियों को लगी, तो वे अपना घर आश्रम पहुंचे। इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रवाल, सचिव राजेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष गोविंद बंसल, उपाध्यक्ष प्रकाश चंद गोयल, कैलाश चंद दुबे, सत्यनारायण गुप्ता, एसके एस चौहान, धर्मेंद्र अग्रवाल, गौरव जैन, नरेंद्र गुप्ता, प्रवीण गोयल, रिंकेश अग्रवाल आदि शामिल रहे।

नव दंपती को सीखने की नसीहत मिलेगी

दरअसल, अपना घर आश्रम में अब तक सिर्फ दिव्यांगों की सेवा के लिए प्रभुजियों की मदद को कई तरह के उपहार समाज से विभिन्न संस्थाएं करती थीं। लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है जब शादी-विवाह का आयोजन यहां पर हुआ। इससे दो संदेश समाज में गए। पहला यह कि भगवान के समक्ष प्रभुजियों के बीच शादी करने से दिव्यांगों की मदद करने का एक आशीर्वाद मिलेगा। इसके साथ ही नव दंपती को सीखने की नसीहत मिलेगी कि जिस ढंग से सेवा यहां पर प्रभुजियों की जा रही है, वैसी ही सेवा बुजुर्गों की करते रहें।

खुशियों का प्रकाश: गुरु रामदास स्कूल ने 'अपना घर आश्रम' में बिखेरी दिवाली की रौनक

रतलाम | गुरु रामदास पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने इस दीवाली पर एक सामाजिक पहल के रूप में 'अपना घर आश्रम' में उत्सव का आयोजन किया, जहां छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर मानवता की सेवा की और खुशियाँ साझा कीं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज सेवा, सहानुभूति और जिम्मेदारी जैसे मूल्य विकसित करना था। आश्रम के बच्चों और वरिष्ठ निवासियों के साथ समय बिताकर छात्रों ने न केवल उन्हें खुशियाँ दीं बल्कि स्वयं भी जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ सीखा। विद्यार्थियों ने मिलकर दीप जलाए, पटाखे सुरक्षित तरीके से जलाए और आश्रम में रंगीन रंगोलियाँ बनाकर दीवाली के पारंपरिक महत्व को उजागर किया। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों द्वारा आश्रमवासियों के लिए स्वादिष्ट भोजन का आयोजन किया गया और मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिससे त्योहार की मिठास और बढ़ गई। विद्यालय की प्राचार्य सुनीता राठौर और प्रधानाध्यापिका पूनम गांधी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए शिक्षकों तथा छात्रों का उत्साहवर्धन किया। यह पहल न केवल स्कूल के सामाजिक दायित्व को प्रदर्शित करती है बल्कि यह भी बताती है कि असली दीवाली वहां होती है जहां जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान होती है। गुरु रामदास पब्लिक स्कूल का यह आयोजन समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता है।

दो साल से भटके ओडिशा के दो युवक हिंडौन में मिले

हिंडौन सिटी ग्रामीण/क्यारदा

दो वर्ष पूर्व घर से बिछुड़कर भटकते हुए हिंडौन सिटी पहुंचे ओडिशा के अंगुल जिले के दो युवक-श्रीराम नायक और पवित्र नायक का शुक्रवार को अपने परिजनों से भावुक मिलन हुआ। अपना घर आश्रम हिंडौन ने ओडिशा पुलिस के सहयोग से दोनों की पहचान करवाई और उन्हें सुरक्षित उनके परिवारों के सुपुर्द किया। वर्षों से लापता इन युवकों की तलाश पूरी होने पर परिजनों की आंखें खुशी से नम हो गईं। अपना घर आश्रम के पूर्व सचिव मोहित मित्तल ने बताया कि दोनों युवक लगभग दो वर्ष पहले आजीविका की तलाश में घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में भटकते-भटकते हिंडौन पहुंच गए। पुलिस की सूचना पर उन्हें आश्रम में रखा गया। आश्रम लगातार ओडिशा पुलिस के संपर्क में था और काफी प्रयासों के बाद दोनों की पहचान संभव हो पाई। शुक्रवार को श्रीराम नायक को उनके चाचा मिलु नायक और पवित्र नायक को उनके दामाद चंदन नायक के सुपुर्द किया गया। परिवारजनों ने कहा कि वे उनकी वापसी की उम्मीद लगभग छोड़ चुके थे, ऐसे में उनका मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

इस भावुक क्षण के दौरान आश्रम प्रभारी रामसिंह, योगेश, प्रज्ञान सहित कई सदस्य मौजूद रहे। आश्रम के अध्यक्ष राकेश गोयल ने बताया कि वर्ष 2016 से संचालित अपना घर आश्रम अब तक अनेक असहाय, मंदबुद्धि और घर से बिछुड़े लोगों को सहारा दे चुका है। 176 प्रभुजनों का सफल पुनर्वास किया गया है, जिनमें कई अपने परिवारों से मिल चुके हैं। दो साल से भटके श्रीराम और पवित्र का परिवार से मिलन यह साबित करता है कि संवेदनशील प्रयास किसी भी जिंदगी को फिर से सही राह पर ला सकते हैं।

अपना घर समिति सदस्यों ने शादी में की मदद

डीग | अपना घर सेवा समिति जनूथर के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा देवउठनी एकादशी पर कस्बा जनूथर में आयोजित जरूरतमंद परिवारों की 5 बेटियों के विवाहों में उनके घरों पर पहुंच आर्थिक मदद स्वरूप कन्यादान में सम्मानजनक राशि प्रदान की और बेटियों को आशीर्वाद दिया।इस अवसर पर संस्था के संरक्षक भूदेव लवानिया, अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद सैनी, उपाध्यक्ष दिनेश दीवान, मंत्री प्रेम दीवान, कोषाध्यक्ष सतीश खंडेलवाल, भगवत बंसल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

मातृ दिवस पर असहाय लावारिस महिला को पुलिस द्वारा सेवा उपचार हेतु अपनाघर आश्रम में भर्ती कराया

अलवर (का.सं.)

एक ओर हम सभी अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस मना रहे हैं, मातृ शक्ति को नमन वंदन कर रहे हैं, उनका सम्मान किया जा रहा है लेकिन दूसरी बहुत बड़ी संख्या में हमारे समाज में माता बहनों को मानसिक अस्वस्थता या पारिवारिक समस्याओं के चलते असहाय लावारिस हालत में छोड़ देते हैं।

इस प्रकार की असहाय लावारिस 5000 से भी अधिक महिला प्रभुजी को देश के विभिन्न आश्रमों में सेवा की जा रही है। इसी दिन एक महिला प्रभु जी जिसका नाम लखी कुमारी आयु लगभग 40 वर्ष पिता का नाम फूलचंद मेहता पता - गांव नया टोली, पोस्ट हौस्ल थाना अंगारा जिला रांची (झारखंड) जोकि कानसूर के आसपास लाचार एवं असहाय अवस्था में घूम रही थी वहां के थाना अधिकारी, थाना कानसूर सुरेंद मलिक की सूचना पर अपना घर आश्रम महिला शाखा अलवर की रेस्क्यू टीम द्वारा रेस्क्यू कर अपनाघर आश्रम, महिला शाखा अलवर में सेवा एवं उपचार हेतु भर्ती किया गया है। दूसरी ओर महिला सम्मान करने वाली अनेक संस्थायें हमारे समाज में मौजूद है। मदर्स डे के अवसर पर राजस्थान प्रांत की समता समिति के प्रांतीय पदाधिकारी पाराशर नारायण शर्मा, योगेंद्र सिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह राठौड़, ऋषिराज राठौर,डॉक्टर श्याम सुंदर सेवदा एवं स्थानीय कार्यकर्ता अशोक आहूजा वर्षा रानी मोहित पंडित संदीप पंडित राजेश शर्मा ने अपनाघर आश्रम, महिला शाखा, वैशाली नगर अलवर पहुंचकर महिला प्रभुजी आशीर्वाद प्राप्त किया। विजिट के समय ही पाराशर नारायण शर्मा ने आश्रम की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। उक्त के अतिरिक्त आज बहुउद्देशीय राजकीय पशु चिकित्सालय अंतर्गत संचालित गौशाला पर महिला व पुरुष प्रभु जी द्वारा गुड़ खिलाकर गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

10 माह पूर्व बिछड़ा भाई मिला तो आंखे भर आई

नवज्योति/उदयपुर। अपना घर आश्रम, बेदला में सोमवार को 10 माह पूर्व बिछड़े दो भाइयों का मिलन हुआ। इस दौरान भाई के मिलने पर चचेरे भाई की आंख भर आई। आश्रम सचिव अशोक कोठारी ने बताया कि 27 सितंबर 2024 को सेक्टर 4 क्षेत्र से हिरण मगरी पुलिस थाना द्वारा एक मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक शंकर मीणा को अपना घर आश्रम भर्ती कराया गया था। उसकी पहचान सुनिश्चित नहीं हो पा रही थी, परंतु आश्रम द्वारा सतत प्रयास एवं देखभाल के फलस्वरूप धीरे-धीरे उसकी स्मृति लौटने लगी। आश्रम प्रभारी सुल्तानसिंह एवं टीम द्वारा की गई काउंसलिंग के दौरान उसने अपना गांव का नाम खजुरी तहसील लसाड़िया बताया। तत्पश्चात खजुरी गांव के पूर्व सरपंच भगवानलाल से संपर्क हुआ और शंकर प्रभुजी के बारे में जानकारी दी। उनके सराहनीय सहयोग एवं प्रयासों से शंकर की पहचान स्थापित हो सकी और उसका भाई उससे संपर्क में आ सका। आश्रम परिसर में जब दोनों भाइयों का मिलन हुआ, तो वातावरण भावुकता से भर गया। चचेरे भाई काना मीणा ने बताया कि शंकर की दिमागी हालत खराब होने से लगभग 10 माह पूर्व बिना बताए घर से निकल गया। आसपास के गांव में बहुत तलाश किया परंतु इसका कोई पता नहीं चला। परिवार में एक वृद्ध मां हैं। 11 जुलाई को आश्रम से इसके बारे में जानकारी मिली।

आधार कार्ड से पता खोजकर एक माह में 9 बिछड़ों को परिवार से मिलाया

पत्रिका ह्यूमन एंगल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डबरा. अपना घर आश्रम में रह रहे मानसिक रूप से बिछुड़े लोगों को उनके परिवार से मिलाने का सिलसिला बुना हुआ है। शुक्रवार को भी एक बिछड़े युवक को आधार कार्ड से पहचान होने पर उसके परिवार से मिलाया है। एक माह के भीतर 9 लोगों को आधार कार्ड के फिंगर प्रिंट की मदद से उनके नाम पता खोजकर उनके परिवार के सुपुर्द किया है।

दो बिछड़ों को परिवार के सुपुर्द करते आश्रम के सदस्य।

अपना घर आश्रम के संस्थापक मनीष पांडेय ने बताया कि करीब दो माह पहले एसडीएम दिव्यांशु चौधरी के प्रयास से आश्रम में रह रहे उन लोगों के भी आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिनके पास कोई मूल दस्तावेज नहीं थे। लेकिन कई लोगों के पहले से बने होने पर यह प्रयास सार्थक हो गया। दरअसल जिनके आधार कार्ड बने थे। उनके नाम पता मिलने से उनकी जगह की पहचान होने से परिवार से मिलाने का काम शुरू हुआ। पिछले एक माह के भीतर अपना घर आश्रम टीम ने 9 मानसिक रूप से बिछड़े लोगों को उनके घर तक पहुंचाया है यानि परिवार से मिलाने का काम किया। सोमरा मुर्मू जो कि झारखण्ड निवासी हैं। मानसिक स्थिति कमजोर होने पर पांच माह पूर्व अपने घर से निकल आए थे। मानसिक स्थिति कमजोर होने के साथ मूकबधिर हैं। विगत दिनों आधार कार्ड बनाने के दौरान उनका पहले से आधार कार्ड बना पाया गया। आधार कार्ड से पता मिलने पर टीम ने उनके परिवार से संपर्क किया। शनिवार को पिता व उनका भाई उन्हें लेने डबरा पहुंचे।

पड़ोसी ने फोटो देख की पहचान

अपना घर आश्रम संस्थापक मनीष पांडेय ने बताया कि धनराज जो लगभग 2 साल पहले मानसिक स्थिति खराब होने के कारण घर से निकल आए थे। जोआगर रजिस्थान के रहने वाले थे। परिवार ने बहुत खोजा लेकिन नहीं मिले तब हार मान कर बैठ गए थे। 15 माह पहले अपना घर आश्रम में पहुंचे। इस दौरान काउंसलिंग की गई लेकिन आश्रम की टीम को सफलता नहीं मिली। दो दिन पहले उनके द्वारा एक मोबाइल नंबर बताया। जो कि यह नंबर उनके पड़ोसी का निकला। जिस पड़ोसी का नंबर था, वह 6 -7 साल पहले उनके पड़ोस में रहता था। फोटो भेजने पर पड़ोसी पहचान गया। तत्काल परिवार के पास पंहुच कर परिवार को धनराज के सकुशल होने सूचना दी। साथ ही परिवार की वीडियो कॉल के माध्यम से बात कराई गई। शुक्रवार को उन्हें लेने उनकी मां और भाई डबरा पहुंचे। मां बेटे का भावुक मिलन हुआ। बेटे को देख कर मां रो पड़ी। एसडीएम दिव्यांशु चौधरी की उपस्थिति में धनराज को उनके परिवार के सुपुर्द किया।

'अपना घर आश्रम' ने बिजली के झटके से विकलांग हुए 'प्रभु जी' को दिया सम्मानजनक जीवन

रतलाम (चम्बल नवराष्ट्र) 'नर सेवा-नारायण सेवा' के परम सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए, मध्य प्रदेश के रतलाम स्थित अपना घर आश्रम एक बार फिर से बेसहारा और उपेक्षित लोगों के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है। आश्रम की समर्पित टीम ने एक असहाय व्यक्ति को नया जीवन दिया है, जिन्होंने एक दुर्घटना में अपने दोनों हाथ खो दिए थे। इस व्यक्ति को आश्रम में पूरे सम्मान के साथ 'प्रभु जी' कहकर संबोधित किया जा रहा है।

हृदय विदारक कहानी, मानवीय हस्तक्षेप-रतलाम के सागोद गांव से रेस्क्यू किए गए इन 'प्रभु जी' की कहानी बेहद मार्मिक है। करंट लगने की एक दर्दनाक दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों हाथ गंवा दिए थे, जिसके बाद वे पूरी तरह से असहाय और लावारिस हो गए। समाज और परिवार से मिले उपेक्षा ने उन्हें दर-दर भटकने को मजबूर कर दिया था। ऐसे में, अपना घर आश्रम, रतलाम की रेस्क्यू टीम को उनकी दयनीय स्थिति के बारे में सूचना मिली।

त्वरित कार्रवाई, सम्मानजनक पुनर्वास-सूचना मिलते ही, आश्रम की रेस्क्यू टीम ने न केवल त्वरित कार्रवाई की, बल्कि पूरी संवेदनशीलता और सम्मान के साथ 'प्रभु जी' को आश्रम तक सुरक्षित पहुँचाया। यह रेस्क्यू ऑपरेशन केवल एक व्यक्ति को सुरक्षित स्थान पर ले जाना नहीं था, बल्कि उसे खोया हुआ सम्मान और जीने की नई उम्मीद देना था।आश्रम के नियमानुसार, प्रवेशित किए गए इस व्यक्ति को भी 'प्रभु जी' (अर्थात भगवान का रूप) कहकर संबोधित किया जा रहा है, जो संस्था के 'हर जीव में ईश्वर' के दर्शन को दर्शाता है।

बेसहारा का 'अपना घर': एक राष्ट्रीय प्रेरणा-अपना घर आश्रम ऐसे बेसहारा 'प्रभु जनों' को सिर्फ आश्रय नहीं देता, बल्कि उन्हें घर जैसा माहौल, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन, उन्नत चिकित्सा सुविधा और सबसे महत्वपूर्ण, एक सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था का यह प्रयास उन सभी सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो मानते हैं कि समाज का सबसे कमजोर वर्ग भी सम्मान और देखभाल का हकदार है।

मिशन: पुनर्वास और परिवार से मिलन-आश्रम का लक्ष्य केवल सेवा करना नहीं है, बल्कि 'प्रभु जनों' को स्वस्थ कर उनके परिवार से मिलाना भी है। यह संस्था कई प्रभुजनों को उनके परिवारों से मिला चुकी है। यह रेस्क्यू ऑपरेशन एक बार फिर से संस्था के परोपकार और राष्ट्रव्यापी सेवा की भावना को उजागर करता है। इस पुण्य कार्य में किसी असहाय की सूचना देने के लिए निम्नलिखित नंबर पर संपर्क किया जा सकता है: यह संस्था निरंतर उन लोगों के लिए आशा की किरण बन रही है, जिन्हें समाज ने अकेला छोड़ दिया है, और उन्हें फिर से जीने का अवसर और सम्मान प्रदान कर रही है। यह घटना दर्शाती है कि सच्चा राष्ट्र निर्माण सड़कों, पुलों और इमारतों से नहीं, बल्कि मानवीय करुणा और सेवा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा होता है।

अग्रोहा अपना घर: शहर में ले रहा आकार, मानसिक रोगियों को मिलेगा सहारा

राजस्थान के मॉडल की तर्ज पर पहल: 5 करोड़ की लागत से बनेगा विशेष पुनर्वास केंद्र, 300 सदस्यों ने की आर्थिक मदद, पुनर्वास और परिवार मिलन पर जोर

लवदुबे | अंबिकापुर

सरगुजा संभाग के अंबिकापुर में मानसिक रूप से विक्षिप्त व बेसहारा लोगों को नई जिंदगी देने की दिशा में एक बड़ी पहल शुरू हो गई है। राजस्थान के सफल मॉडल की तर्ज पर, शहर से लगे रायगढ़ रोड स्थित लुचकी घाट के पास 'अग्रोहा अपना घर' नाम से एक विशेष आश्रम का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

यह केंद्र बेसहारा लोगों के लिए केवल आश्रय स्थल नहीं, बल्कि इलाज, पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस पहल होगा। उपचार, पुनर्वास और परिवार मिलनइस आश्रम में शहर से लेकर पूरे प्रदेश भर से रेस्क्यू किए गए मानसिक रूप से पीड़ित और निराश्रित लोगों को लाया जाएगा। विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार किया जाएगा। स्वस्थ होने पर आश्रम की टीम उनके परिजनों की तलाश करेगी और उन्हें घर तक पहुंचाएगी। जिनका परिवार नहीं मिल पाएगा, वे आश्रम में रहकर सेवा कार्यों से जुड़ सकेंगे। करीब एक एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहे इस आश्रम का पूरा प्रोजेक्ट अग्रवाल समाज के सदस्यों के सहयोग से तैयार किया जा रहा है। इसकी लागत 5 करोड़ रुपए है। इसमें 300 सदस्यों ने आर्थिक रूप से योगदान दिया है। निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और उम्मीद है कि एक वर्ष के भीतर इसका संचालन शुरू हो जाएगा। अग्रोहा अपना घर आश्रम की स्थापना लाल माटी क्षेत्र अंबिकापुर में की जा रही है। यह आश्रम फ्रेंचाइजी मॉडल पर संचालित होगा। इस आश्रम में अग्रवाल समाज के साथ-साथ सर्व समाज को जोड़ने की योजना बनाई गई है, ताकि सभी वर्ग इस सेवा कार्य में भागीदार बन सकें।

उपेक्षितों को सम्मान दिलाएगा अपना घर

मुकेश अग्रवाल ने कहा कि अपना घर आश्रम केवल भवन नहीं, बल्कि पीड़ित और उपेक्षित लोगों के लिए

आत्मसम्मान की वापसी का केंद्र होगा। यहां आने वाले हर व्यक्ति को नाम, पहचान और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलेगा। समाज के युवाओं और स्वयंसेवकों को सेवा से जोड़ने की विशेष योजना बनाई गई है। उनका कहना है कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए मानवता की सीख बनेगी।

ऐसा होगा अपना घर आश्रम।

जानिए... ऐसे संचालित किया जाएगा अपना घर आश्रम

राजस्थान में संचालित 'अपना घर' आश्रम मॉडल वर्षों से मानव सेवा का उदाहरण रहा है। इसका मूल उद्देश्य इलाज के साथ पुनर्वास है। यहां भी इसी तरह से लाए गए लोगों को सुरक्षित माहौल, नियमित भोजन, वस्त्र, स्वच्छता, चिकित्सा और परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद आश्रम की टीम संबंधित व्यक्ति के परिवार की तलाश कर उन्हें घर तक पहुंचाएगी। जिनके परिजन नहीं मिलते, उनके लिए आश्रम ही परिवार बन जाता है।

संचालन के लिए समिति का गठन, मनोज बने अध्यक्ष

अग्रोहा अपना घर आश्रम के निर्माण व संचालन के लिए समिति का गठन

किया गया है। समिति में पवन अग्रवाल को व्यवस्थापक व कोषाध्यक्ष, मनोज अग्रवाल को अध्यक्ष, विनोद अग्रवाल और सुभाष अग्रवाल को उपाध्यक्ष, अशोक अग्रवाल को सचिव और दिनेश अग्रवाल को सह-सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, मनोज अग्रवाल को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति से अभी तक 80 लोग इस सेवा के लिए आगे आ चुके हैं।

आश्रम के साथ छह एकड़ में नया भवन प्रस्तावित: संजय

अग्रवाल समाज समाजसेवा में भूमिका निभा रहा है। गरीब बेटियों के विवाह

से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक, समाज के लोगों के सहयोग कर रहे है। अग्रोहा अपना घर आश्रम का निर्माण किया जा रहा है, वहीं पर अग्रवाल समाज के नवीन भवन का भी निर्माण प्रस्तावित है। समाज अध्यक्ष संजय मित्तल की अगुवाई में मानव सेवा के साथ-साथ समाज संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। 30 करोड़ की लागत से नया भवन बनाया जाएगा। नया भवन 6 एकड़ में होगा।

रात्रि का तीसरा पहर :– अपना घर कामवन की टीम सेवा में मुस्तेदी से संलग्न

राष्ट्रीय दैनिक सुनहरा संसार
राजस्थान भरतपुर ब्यूरो हिमांशु मोदी

कामां - रात्रि का तीसरा पहर, घड़ी की सुइयां एक दूसरे को पार करती हुई 1:00 बजे का संकेत दे रही है,चहुँओर सन्नाटा पसरा हुआ है, ठंड का आलम अपने चरम पर पहुंचने की तैयारी कर रहा है,सभी अपने अपने रजाई कम्बलों में गुलाबी सर्दी का आनंद ले सपनों के आगोश में समाए हुए हैं ऐसे में अपना घर सेवा समिति कामवन की टीम बड़ी मुस्तेदी के साथ सेवा कार्य में संलग्न हो अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है। अपनाघर सेवा समिति कामवन के अध्यक्ष प्रमोद पुजारी ने बताया कि कस्बे के बस स्टैंड स्थित यादराम लोधा होटल वाले ने सूचना प्रदान कर अवगत कराया कि एक महिला अकेली, कुछ मानसिक विक्षिप्त यहाँ घूम रही है।समिति के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय जैन बड़जात्या, हरप्रसाद नाटाणी,जायन्ट्स ग्रुप के अध्यक्ष खेमराज खण्डेलवाल, सुरेश सोनी,मनोज गोयल ने मौके पर पहुँच कर सूचना को सही पाया तो स्थानीय थाने से सत्यापन करवाकर अपनाघर आश्रम बझेरा की एम्बुलेंस से पुनर्वास हेतु रात्रि को लगभग एक बजे अपनाघर आश्रम हेतु रवाना किया गया।मौके की आवश्यकता को देखते हुए लगभग तीन घण्टे तक सर्द रात्रि में पूरी टीम रेस्क्यू महिला की निगरानी में बस स्टैंड पर ही बैठी रही। इस सेवा कार्य मे अपनाघर सेवा समिति के साथ यादराम लोधा, सौरभ सिंह सेवा साथी अनिता,रामवती ने सहयोग प्रदान किया।

संवाददाता देवेश शर्मा सत्ता एक्सप्रेस सबलगढ़

सबलगढ़। नर सेवा ही नारायण सेवा है यह कहावत अक्सर सुनने को मिलती है, परंतु बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो इसे अपने जीवन में साकार करते हैं। डबरा के समाजसेवी श्री मनीष पांडे ऐसे ही एक प्रेरणास्रोत व्यक्ति हैं, जो अपनी संस्था अपना घर आश्रम के माध्यम से बेसहारा, असहाय और रोगग्रस्त लोगों की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं।

सबसे खास बात यह है कि श्री पांडे अपने इस कार्य के लिए किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता नहीं लेते, बल्कि समाज के सहयोग और अपनी सेवा भावना के बल पर इस मानवता के मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

आज सबलगढ़ में उनकी संवेदनशीलता और सेवा भावना का एक और उदाहरण सामने आया। थाना प्रभारी श्रीमती राजकुमारी परमार को सूचना मिली कि नगर में एक बुजुर्ग महिला कई दिनों से सड़कों पर बेसहारा घूम रही है और उसका कोई सहारा नहीं है। उन्होंने तुरंत ही इसकी जानकारी श्री मनीष पांडे को दी। सूचना मिलते ही मनीष पांडे अपनी टीम के साथ स्वयं सबलगढ़ पहुंचे। वहाँ पर थाना प्रभारी राजकुमारी परमार, हिमांशु शर्मा, भरत पांडे, देवेश शर्मा, और शिवम के सहयोग से उस बुजुर्ग महिला को सम्मानपूर्वक तैयार किया गया, साफ-सुथरे कपड़े पहनाए गए और उनकी प्राथमिक देखभाल की गई।

इसके बाद टीम ने उन्हें ससम्मान अपना घर आश्रम, डबरा के लिए रवाना किया, जहाँ उनका आगे का इलाज ग्वालियर में कराया जाएगा और आश्रम में उनकी पूर्ण सेवा और देखरेख की जाएगी।

श्री मनीष पांडे ने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी को दया नहीं देना, बल्कि उन्हें फिर से जीवन जीने की आशा देना है। स्थानीय लोगों ने भी इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे लोग ही समाज के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं, जो मानवता की सेवा को ही ईश्वर की पूजा मानते हैं। वास्तव में, नर सेवा ही नारायण सेवा का सजीव उदाहरण हैं श्री मनीष पांडे और उनकी टीम।

सामने घाट में बनेगा महिलाओं के लिए अपना घर

रवि पांडेय • जागरण

वाराणसी : काशी की गलियों और घाटों पर भटकने वाले निराश्रित और असहाय लोगों के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के साथ उनके स्वास्थ्य की चिंता करने वाले अपना घर आश्रम की परिकल्पना साकार करने वाले दंपती डा. कुमार निरंजन और डा. कात्यायनी की टीम ने गंगा तट पर ही दूसरा महिला आश्रम बनाने का संकल्प लिया है। संस्था की तरफ से 30 हजार वर्ग फीट जमीन को दूसरे आश्रय स्थल के लिए चुना गया है क्योंकि यह अपना घर आश्रम से पास होने के कारण व्यवस्था के लिए काफी आसान होगा।

आश्रम में लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए महिला आश्रम को अलग करने का संस्था ने विचार किया है। जहां असहाय महिलाओं को आश्रम लाकर उनकी निश्शुल्क

मदरवां सामनेघाट में अपना घर आश्रम •

देखभाल, भोजन, कपड़ा, चिकित्सा की व्यवस्था अपने घर जैसे आंगन में की जाएगी। जिससे उनकी जिंदगी का अंतिम पड़ाव सुखद बनाया जा सके। डा. कुमार निरंजन ने बताया कि इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अपना घर आश्रम की तरफ से चिट्ठी लिखी जा चुकी है। डा. निरंजन ने जनता से अपील किया है कि मानव सेवा के इस प्रकल्प को जनसहयोग द्वारा किया जा रहा है। यहां आवासित लोगों के हुनर को संवारने के लिए मुख्यमंत्री की तरफ से प्रभुजी कौशल विकास केंद्र बना है। जिसमें हर्बल और आयुर्वेदिक साबुन के साथ ही सुगंधित अगरबत्ती और दीपावली पर इको फ्रेंडली दीया बनती है।

तीन हजार लोगों को अपना घर आश्रम में मिला है आश्रय

आश्रम के संरक्षक डा. निरंजन ने बताया कि मदरवां में कुल 600 से ज्यादा महिला एवं पुरुष आवासित हैं। अभी तक तीन हजार लावारिस लोगों को रेस्क्यू करके आश्रम लाया जा चुका है। जिसमें से 1300 लोगों को उनके स्वजन से मिलाया गया है। यह आश्रम अपने तरह का सबसे बड़ा मानव सेवा आश्रय स्थल है।

अपना घर आश्रम जामडोली ने 70 वर्षीय मंजु देवी को अपने परिवारजनों से मिलाया

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। महीनों से अपने परिवार से बिछड़े लोग जब अपनों से मिले तो यह मार्मिक दृश्य देखने वालों की आंखों में आंसू ले आया। यह नजारा आगरा रोड स्थित अपना घर आश्रम जामडोली में मंगलवार को ऐसा भावुक दृश्य देखने को मिला जिसने हर किसी की आँखें नम कर दी त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बायपास जयपुर की रहने वाली मंजु प्रभु जी उम्र 70 साल15 फरवरी 2025 को प्रभुजी को बजाज नगर पुलिया के नीचे गंभीर अवस्था में रेस्क्यू किया गया था। प्रभु जी घरवालों से नाराज होकर निकल आई थी। उस समय उनकी स्थिति अपने स्वयं के बारे में और परिवार वालों के बारे में बताने की स्थिति में नहीं थी कुछ महीनों से उनका स्वास्थ्य ठीक रहने लगा वह आश्रम में पूजा पाठ में व्यस्त रहती थी कविताएँ लिखती थीं उन्होंने उपाध्यक्ष कविता मीना और सेवासाथियों को जानकारी दी अपने बेटी और दामाद की उसके बाद उनके दामाद से बात की गई बेटी को मां के मिलने की सूचना मिली। 10 महीने बाद मां बेटी का मिलन हुआ दामाद और दोहिता अपनी नानी को अपने घर ले गए दामाद ने अपना घर आश्रम परिवार का आभार जताया।

राष्ट्रीय महागाथा का विराट स्वरूप विरह से मिलन तक

मानवता की महागाथा: डॉ. बी. एम. भारद्वाज के 'अपना घर आश्रम' का सेवा मॉडल और राष्ट्रीय प्रभाव

रतलाम : (कमल न्यास्ट्) मध्य प्रदेश के रतलाम में बिछड़े भाइयों दिलीप कुमार ठाकुर जी और मनोज ठाकुर जी का पुनर्मिलन केवल एक समाचार नहीं, बल्कि 'अपना घर आश्रम' के संस्थापक, डॉ. बी. एम. भारद्वाज और डॉ. माधुरी भारद्वाज, द्वारा स्थापित निस्वार्थ सेवा के विराट मॉडल का एक राष्ट्रीय उद्घोष है। यह घटना भारत की उस समृद्ध मानवीय परंपरा को दर्शाती है जहाँ सेवा को ही सर्वोच्च धर्म माना जाता है।

करुणामयी यात्रा की गहराई: पेशेवर सेवा का मानवीय चेहरा- रतलाम में हुई यह घटना आश्रम की 'प्रोफेशनल ह्यूमैनिटी' (पेशेवर मानवता) को दर्शाती है, जहाँ चिकित्सा विज्ञान और करुणा का अद्भुत संगम है:

* स्मृति और पहचान की चुनौती: प्रभु श्री दिलीप कुमार ठाकुर जी को 18 अप्रैल 2025 को हुई रेस्क्यू केवल एक बचाव अभियान नहीं था, बल्कि एक मानसिक स्वास्थ्य की चुनौती थी। उनकी धूमिल पहचान और दुर्बल शरीर के बावजूद, आश्रम की टीम ने 'प्रभु' (आश्रम में रहने वाले लोगों को दिया गया सम्मानजनक नाम) के साथ धैर्यपूर्वक काम किया।

वैज्ञानिक परामर्श (Counseling) पहचान स्थापित करने में सघन परामर्श (Counseling) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। यह प्रक्रिया आश्रम की मनोवैज्ञानिक टीम की विशेषज्ञता को दर्शाती है, जिसके कारण सात माह के भीतर उनका गृह ग्राम - ग्राम गंगोपुरम, मुंगेर (बिहार) - का पता लगाया जा सका।

पुनर्मिलन का आध्यात्मिक पक्ष: कुंभ मेला की घटना सेवा पर मिलन का नवा आश्रम की ओर से एक गहरा आध्यात्मिक संदेश देता है। यह दर्शाता है कि सेवा सिर्फ एक भौतिक कार्य नहीं, बल्कि एक पवित्र अनुष्ठान है। मनोज ठाकुर जी द्वारा भाई को गले लगाना, वर्षों की विरह वेदना को आँसुओं में धोत देना, 'जय ठाकुर जी की!' के उद्घोष के साथ मानवता के विजय की घोषणा थी।

अपना घर आश्रम, भरतपुर: एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन- डॉ. बी. एम. भारद्वाज और डॉ. माधुरी भारद्वाज ने सन 2000 में भरतपुर में इस सेवा यज्ञ की शुरुआत की, जिसे आज एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में देखा जाता है।

सेवा मॉडल की अद्वितीयता (Uniqueness of the Service Model): 'प्रभु' का अवधारणा: आश्रम में रहने वाले हर व्यक्ति को 'प्रभु' कहकर संबोधित किया जाता है, जो उन्हें सम्मान और ईश्वरीय दर्जा देता है। यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक क्रांति है जो परित्यक्त लोगों के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदलती है।

समर्पित जीवन संकल्प: डॉ. भारद्वाज दंपति का व्यक्तिगत त्याग - अपना बच्चा न करने का निर्णय लेकर, हजारों बेसहारा लोगों को अपना 'प्रभु' मानकर उनकी सेवा करना - संस्था की नींव का सबसे बड़ा स्तंभ है।

स्व-वित्तपोषित संचालन (Self-Sustained Model): संस्था बिना किसी सरकारी मदद या विदेशी अनुदान के चलती है। यह पूर्णतः देश की जनता, दानदाताओं और स्वयंसेवकों के सहयोग पर निर्भर है। लाखों रुपये का दैनिक खर्च यह दर्शाता है कि यह मॉडल भारतीय जनमानस की श्रद्धा और विश्वास पर टिका हुआ है।

सेवा के शिखर पर अस्पताल (The Pinnacle of Care): भरतपुर मुख्यालय में स्थित यह अत्याधुनिक अस्पताल, बेसहारा लोगों को मुफ्त में विशेष चिकित्सा, सर्जरी और पुनर्वास प्रदान करता है, जो इसे देश की सबसे बड़ी मानव सेवा संस्थाओं में से एक बनाता है।

व्यापक प्रदेश एवं राष्ट्रीय प्रभाव परिवार पुनर्मिलन 25,000+ सफल पुनर्मिलन; हजारों परिवारों में खुशहाली लौटाना।

शाखा विस्तार देश-विदेश में 55+ शाखाएँ; सेवा की सीमा रहित करना। जागरूकता अभियान समाज को परित्यक्त और मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों के प्रति संवेदनशील बनाना। प्रशिक्षण केंद्र देशभर के सेवा संगठनों को निस्वार्थ सेवा का मॉडल सिखाना।

राष्ट्रीय संदेश और आह्वान: सेवा ही सच्चा साधना मार्ग- रतलाम की घटना इस बात का प्रमाण है कि 'अपना घर आश्रम' केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के 'वसुधैव कुटुंबकम्' (पूरी दुनिया एक परिवार है) के दर्शन को जमीन पर उतारने वाला एक जीवंत तीर्थ स्थल है।

यह भावुक पुनर्मिलन देश के हर नागरिक को एक शक्तिशाली संदेश देता है कि निस्वार्थ सेवा ही सच्चा साधना मार्ग है। यह घटना देश की सेवा संस्थाओं को प्रेरित करती है कि वे संवेदना, चिकित्सा और संकल्प के साथ बिछड़े हुए लोगों को उनका 'अपना घर' वापस दिलाएँ।

अपना घर हेल्पलाइन ने लोगों को बांटे कपड़े-बर्तन

भरतपुर |अपनाघर आश्रम भरतपुर द्वारा संचालित अपनाघर हेल्पलाइन बीनारायण गेट में चलाये जा रहे समाज से समाज की ओर कार्यक्रम के तहत माह नवम्बर में 1185 लाभार्थियों (महिला पुरुष) को 3371 कपड़े, बर्तन, बिस्तर कंबल आदि का वितरण किया गया। यह सामग्री शहर के निवासियों के द्वारा अपनाघर हेल्पलाइन में भेजी जाती है। 2016 में शुरू हुई हेल्पलाइन अब तक समाज से समाज कार्यक्रम के तहत भरतपुर शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के 42365 लाभार्थियों को 95210 वस्त्र एवं अन्य उपयोग की सामग्री का वितरण किया जा चुका है। यह सभी सामग्री अपनाघर हेल्पलाइन को शहरवासी तथा दुकानदारों द्वारा भेजी गई थी।

मंडे) पोઝિટીવ ભથવાડા ટોલ પ્લાઝા પર ભટકતા બે યુવાનોને અપનાઘર આશ્રમમાં આશરો અપાયો

લીમખેડાના મિત્રો બન્યા 2 બિનવારસી યુવકોના તારણહાર

રમેશપટેલ | લીમખેડા

દાહોદ જિલ્લાના દેવગઢ બારીયા તાલુકાના ભથવાડા ટોલ પ્લાઝા પર માનવતાનો એક દીવો પ્રગટ્યો છે. જ્યાં લીમખેડાના સેવાભાવી યુવાનોએ ટોલ સ્ટાફના સહયોગથી લાંબા સમયથી ભટકતું જીવન જીવતા બે અસ્થિર મગજના વ્યક્તિઓને સુરક્ષિત આશરો પૂરો પાડ્યો છે. ભથવાડા ટોલ પ્લાઝા પર છેલ્લા કેટલાય દિવસોથી બે જુદા-જુદા ગામની વ્યક્તિઓ અસ્થિર મગજની હાલતમાં રઝળપાટ કરી રહી હતી. આ બંને વ્યક્તિઓની હાલત દયનીય હતી બંને યુવકો ટોલ પ્લાઝા પાસે રહેતા હોવાથી ટોલ પ્લાઝાના સ્ટાફની નજર પડતા ટોલ સ્ટાફ નિયમિતપણે તેમને ચા, નાસ્તો તેમજ જમવાનું આપતા હતા. ટોલ કર્મીઓએ તેમને સુરક્ષિત આશરો આપવાભટકતા લોકોના આશ્રયદાતા ભાવનગરના પોપટભાઈનો

ભથવાડા ટોલ પ્લાઝા પર ભટકતા બે યુવાનોને અપનાઘર આશ્રમમાં આશરો અપાયો

સંપર્ક કર્યો હતો. જોકે, ભાવનગરનું અંતર લાંબુ હોવાથી પોપટભાઈએ તુરંત જ સ્થાનિક સ્તરે સેવાકાર્ય કરતા લીમખેડાના મિત્રોને આ માહિતી આપી અને બંનેના રેસ્ક્યૂ માટે જાણ કરી હતી. લીમખેડાની સેવાભાવી ટીમના સભ્યો ગણપતભાઈ, ગોવિંદભાઈ અને રાજુભાઈ તરત જ ભથવાડા ટોલ પ્લાઝા પર પહોંચી અત્યંત ખરાબ હાલતમાં રહેલી આ બંને વ્યક્તિઓનું સફળતાપૂર્વક રેસ્ક્યૂ કર્યું હતું. સૌ મિત્રોએ મળીને ભથવાડા ટોલ પર જ નવડાવ્યા, સ્વચ્છ કર્યા અને ચાંદની ડ્રેસીસના માલિકે આપેલા નવા કપડાં પહેરાવ્યા હતાં. આ સાથે બંને વ્યક્તિઓને આખરે બિનવારસી લોકોને આશરો આપતા વડોદરાના 'અપનાઘર' આશ્રમખાતે સુરક્ષિત મૂકવામાં આવ્યા હતાં.

મજૂરીના પૈસા ન મળતાં યુવક ભટક્યો, ટોલનાકે ચક્કર મારતો યુવક ચર્ચામાં

રેસ્ક્યુ કરાયેલ બંને યુવકો જુદા-જુદા ગામના છે. ટોલનાકા પાસે આશરો મેળવનાર એક યુવકે તોતડી ભાષામાં પોતાનું નામ અશોકભાઈ હોવાનું જણાવ્યું હતું અને તે અમદાવાદનો વતની હોવાનું જાણવા મળ્યું છે. મગજ અસ્થિર હોવાને કારણે આ યુવકની પ્રવૃત્તિ લોકોમાં ચર્ચાસ્પદ બની હતી. તે આખો દિવસ

ભાસ્કર ઈનસાઈડ

ભથવાડા ટોલનાકાથી શરૂ કરીને અસાયડી સુધી પગપાળા ચક્કર માર્યા કરતો હતો. તેમજ રાત્રિના સમયે જ તે ટોલનાકા પાસે આશરો લેતો હતો. તેની આ પ્રકારની દૈનિક ચક્કર મારવાની પ્રવૃત્તિ જોઈને સ્થાનિકોને પણ આશ્ચર્ય થતું હતું. બીજો યુવક જે ટોલનાકા પર ભટકતો હતો. તેનું નામ શૈલેષ ડામોર છે અને તે સંતરામપુર નજીકના જાનવડ ગામનો હોવાનું સામે આવ્યું છે. આ યુવકની કહાણી વધુ અચરજ પમાડે તેવી છે. શૈલેષ મજૂરી કામ માટે બહાર ગયો હતો, પરંતુ ત્યાં શેઠે તેને મજૂરીના પૈસા નહીં આપતાં તે ત્યાંથી ભાગી છૂટ્યો હતો. પૈસા વિના તે પોતાના ગામ સુધી પહોંચી શક્યો નહોતો અને આખરે ભથવાડા ટોલનાકે આવીને ભટકતું જીવન વ્યતીત કરતો હતો.

विदिशा: अपना घर आश्रम में 6 माह पूर्व बिछड़े मां-बेटे का हुआ मिलन

पीपुल्स संवाददाता • विदिशा

मो.नं. 9827586049

अपना घर आश्रम के पदाधिकारी डा.जी.के.माहेश्वरी, जी.एस. चौहान, घनश्याम डागा, दीपक माहेश्वरी एवं सोहेल अहमद बबलू के दिशा निर्देश पर 73 वां पुनर्वास किया गया। सिलवानी जिला रायसेन के सुमित कमलेश को 6 महीने पहले परिवार जन मानसिक संतुलन ठीक न होने पर भोपाल में एम्स अस्पताल में दिखाने गए थे। इस दौरान भाई परचा बनवाने गए तब तक सुमित कमलेश वहां से भाग गए, इनको रतनपुर से रेस्क्यू कर आश्रम लाया गया। आश्रम में सेवा एव उपचार के पश्चात सुमित कमलेश की तबीयत ठीक हो गई। आश्रम के केयरटेकर जीतेन्द्र कुमार ने सुमित से बात करने पर कुछ फोन की जानकारी लगी फोन के नंबर से जीतेन्द्र एवं सोहिल

ने सम्पर्क किया। संपर्क के दौरान परिवार वालों ने बताया कमलेश की मानसिक हालत ठीक नहीं थी उपचार हेतु भोपाल लेकर गये थे वह से इनका पता नहीं चला। विदिशा अपना घर आश्रम से परिवार को फोन आया तो पूरा परिवार खुश हो गया मां कमला बाई, भाई अनिल कुशवाह, दोस्त गोपाल, दोस्त बाल मुकुन्द पारिवारिक मित्र आमीर छोटा भाई के बच्चे तीन अनिकेत मयंक मौसम भांजा सोनू खुशी के मारे परिवार लेने आए सभी को बड़ी खुशी हुई मां बेटे का जब मिलन हुआ। मां ने अपने बेटे को गले लगा कर रोने लगे भाई अनिल की भी आंखों में आंसू भर आए। पूरे परिवार ने आश्रम का धन्यवाद किया।

मां ने कहा आश्रम से अगर फोन नहीं आता तो हम अपने बेटे को खो चुके थे। अनिल ने बताया हमारे पिताजी भी इसी तरीके से परिवार से लापता हो चुके हैं ऐसा दिन नहीं था जब हम अपने पिताजी और भाई को याद ना करते पूरे परिवार वालों ने आश्रम परिवार का धन्यवाद दिया।

छात्र-छात्राओं का व्यक्तित्व निखारने दिशाबोध शिविर

विदिशा। विद्याभारती मध्यभारत प्रांत की योजनानुसार दिनांक 24 से 26 नवम्बर तक सरस्वती शिशु मंदिर के भैया-बहिनों का त्रि-दिवसीय दिशा बोध शिविर (व्यक्तित्व विकास) का आयोजन नगर के बालाजी मंदिर प्रांगण में किया गया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में नगर के पूर्व कार्यवाह कुलदीप शर्मा, तलैया विद्यालय के प्राचार्य आनंद वर्मा, वरिष्ठ आचार्य रमेश राठौर आदि द्वारा सामूहिक रूप से माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना से किया गया। इस अवसर पर शर्मा ने अपने उद्बोधन में पुण्यभूमि भारत विषय पर भैया-बहिनों को दिशाबोध कराते हुए व्यक्तित्व विकास की अवधारणा पर अपना सार्थक वक्तव्य दिया। तत्पश्चात सभी भैया-बहिनों को परियोजना कार्य के अंतर्गत कुछ विषय भी दिए गए जिन पर समस्त भैया-बहिनों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय है कि उक्त दिशा बोध शिविर के अंतर्गत सभी भैया-बहिन वृद्धाश्रम पहुंचे जहां उन्होंने निराश्रितों की सेवा कार्य कैसे किये जाता है, इसको जाना व समझा। वृद्धाश्रम के संस्थापक विठ्ठल दास ने अपने स्टॉफ सहित पूर्ण सहयोग कर पूरी प्रक्रिया को समझाया। कार्यक्रम की भूमिका रमेश राठौर एवं कुशल संचालन राज किशोर रैकवार ने किया।

ज्ञातव्य हो कि इस दिशा बोध शिविर में सरस्वती शिशु मंदिर के चयनित 70 भैया-बहिनों ने हिस्सा लिया। संरक्षण आचार्यों में रंजना अभ्यंकर, प्रीति सक्सेना, ज्योति श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहीं।

माह नवम्बर 2025 में प्रवेश, स्थानांतरण एवं पुनर्वास प्रभु आवासियों का विवरण

क्र. सं.	नाम आश्रम	31 अक्टूबर 2025 को प्रभुजी संख्या	भर्ती			पुनर्वासित				ब्रह्मलीन	30 नवम्बर 2025 को प्रभुजी संख्या		
			रेस्क्यू	अन्य आश्रमों से स्थानांतरित	अन्य संस्था से स्थानांतरण	अन्य आश्रम को स्थानांतरण	अन्य संस्था को स्थानांतरण	सुपुर्दगी	राज्य		पुरूष	महिला	कुल
1.	अपना घर आश्रम भरतपुर	6635	67	86	0	64	0	53	राज., उ.प्र.	67	3202	3402	6604
2.	अपना घर आश्रम अजमेर	111	17	0	0	1	0	4	राजस्थान	1	67	55	122
3.	अपना घर आश्रम कोटा	319	7	0	0	3	0	9	राजस्थान	5	123	186	309
4.	अपना घर आश्रम अलवर	76	0	0	0	0	0	3	राज., उ.प्र.	1	72	0	72
5.	अपना घर आश्रम पूठखुर्द दिल्ली	583	59	4	1	5	10	42	राज., एम.पी., बिहार, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र	12	578	0	578
6.	अपना घर आश्रम बीकानेर	128	5	8	3	21	0	5	राज.	3	115	0	115
7.	अपना घर आश्रम कोकिलावन	111	5	0	0	2	0	4	उ.प्र., दिल्ली, बिहार	1	109	0	109
8.	अपना घर आश्रम जोधपुर	228	17	22	0	0	0	10	राज., उ.प्र., पंजाब, एम.पी., कर्नाटका	3	250	4	254
9.	अपना घर वृद्धाश्रम, बीकानेर	200	2	3	0	3	0	0	–	1	201	0	201
10.	अपना घर आश्रम बुढपुर दिल्ली	336	49	1	3	3	1	23	उत्तराखण्ड, दिल्ली, राज., बिहार, झारखण्ड, हरियाणा, एम.पी., छत्तीसगढ़	2	0	360	360
11	अपना घर आश्रम श्रीगंगानगर	192	13	0		4	0	4	राज., उ.प्र.	2	195	0	195
12.	अपना घर आश्रम मूक बधिर विद्यालय, कोटड़ा अजमेर	103	0	0	0	0	0	0	–	0	64	39	103
13.	अपना घर आश्रम शामली	145	12	2	0	5	0	7	उ.प्र., उत्तराखण्ड, म.प्र.	5	110	34	144
14.	अपना घर आश्रम पाली	72	0	0	2	19	0	1	राज.	0	52	0	52
15.	अपना घर आश्रम नोखा, बीकानेर	574	35	18	0	2	0	0	–	0	625	0	625
16.	अपना घर आश्रम हिण्डौन	103	0	0	0	5	0	3	बिहार, उ.प्र.	0	95	0	95
17.	अपना घर आश्रम बस्सी	183	13	1	0	0	0	17	राज., बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब	4	176	0	176
18.	अपना घर आश्रम हाथरस	76	0	0	0	0	0	0	–	1	75	0	75
19.	अपना घर आश्रम शिवपुरी	177	30	1	0	18	0	2	एम.पी.	3	153	32	185
20.	अपना घर आश्रम गोवर्धन	134	3	0	0	1	0	3	उ.प्र., बिहार, एम.पी.	0	133	0	133
21.	अपना घर आश्रम फिरोजाबाद	56	4	0	0	0	0	1	उ.प्र.	2	57	0	57
22.	अपना घर आश्रम डबरा	87	8	0	1	0	2	0	–	1	68	25	93
23.	अपना घर आश्रम पुरूलिया	175	9	0	0	0	0	19	पश्चिम बंगाल, उ.प्र.	6	79	80	159
24.	अपना घर आश्रम शुक्रताल	450	28	1	0	1	0	7	दिल्ली, उत्तराखण्ड, बिहार	3	468	0	468
25.	अपना घर आश्रम वाराणसी	629	84	0	0	2	0	38	उ.प्र., बिहार, झारखण्ड,बंगाल	7	386	280	666
26.	अपना घर आश्रम मेरठ	57	10	1	0	5	0	3	उ.प्र.	1	59	0	59
27.	अपना घर आश्रम भिवानी	141	1	0	0	0	0	0	–	0	90	52	142
28.	अपना घर आश्रम नेपाल	194	10	0	0	0	0	11	नेपाल	1	180	12	192
29.	अपना घर आश्रम उमता	33	5	0	0	0	0	2	गुजरात	0	36	0	36
30.	अपना घर आश्रम भोपाल	83	10	0	0	3	0	5	एम.पी., तेलंगना	0	85	0	85
31.	अपना घर महिला आश्रम, जयपुर	36	7	1	0	3	0	5	राज., एम.पी.	0	0	36	36
32.	अपना घर महिला आश्रम, अलवर	127	4	0	0	1	0	2	राज.	1	0	127	127
33.	अपना घर वृद्धाश्रम, जामडौली	192	5	2	0	10	0	1	राज.	1	28	159	187
34.	अपना घर आश्रम, रायगढ़	72	10	0	0	0	0	2	छत्तीसगढ़	2	78	0	78

माह नवम्बर 2025 में प्रवेश, स्थानांतरण एवं पुनर्वास प्रभु आवासियों का विवरण

क्र. सं.	नाम आश्रम	31 अक्टूबर 2025 को प्रभुजी संख्या	भर्ती			पुनर्वासित			राज्य	ब्रह्मलीन	30 नवम्बर 2025 को प्रभुजी संख्या		
			रेस्क्यू	अन्य आश्रमों से स्थानांतरित	अन्य संस्था से स्थानांतरण	अन्य आश्रम को स्थानांतरण	अन्य संस्था को स्थानांतरण	सुपुर्दगी			पुरूष	महिला	कुल
35.	अपना घर आश्रम वडोदरा	35	8	0	0	0	0	1	गुजरात	3	39	0	39
36.	अपना घर आश्रम कुचामनसिटी	69	0	0	0	0	0	1	राजस्थान	0	68	0	68
37.	अपना घर आश्रम उदयपुर	44	4	0	0	0	0	3	उ.प्र., राज.	1	44	0	44
38.	अपना घर आश्रम गांधीधाम	26	2	0	0	0	0	0	–	1	27	0	27
39.	अपना घर आश्रम बाड़ी	141	8	0	0	5	0	3	छत्तीसगढ़, उ.प्र., म.प्र.	0	115	26	141
40.	अपना घर आश्रम वृन्दावन	88	9	0	0	2	0	3	उ.प्र., दिल्ली, म.प्र.	1	961	0	91
41.	अपना घर आश्रम लखनऊ	72	1	0	0	0	0	0	–	0	0	73	73
42.	अपना घर आश्रम पुष्कर	41	0	15	0	2	0	0	–	1	53	0	53
43.	अपना घर आश्रम कटक (ओड़िसा)	82	4	0	0	0	0	3	उ.प्र., बिहार	3	80	0	80
44.	अपना घर आश्रम पिलखुवा	179	3	0	0	0	0	2	उ.प्र.	2	178	0	178
45.	अपना घर आश्रम पुणे (महिला आश्रम)	94	2	0	0	4	0	2	महाराष्ट्र	2	0	88	88
46.	अपना घर आश्रम नोएडा	305	5	0	0	0	0	4	बिहार, उ.प्र.	1	0	305	305
47.	अपना घर आश्रम पुणे (पुरूष आश्रम)	90	5	0	0	1	0	7	महाराष्ट्र, कर्नाटका	0	87	0	87
48.	अपना घर आश्रम कानपुर	25	1	0	0	2	0	0	–	0	24	0	24
49.	अपना घर वृद्धाश्रम,विजयनगर–अजमेर	34	1	0	0	1	0	0	–	0	34	0	34
50.	अपना घर आश्रम नीमकाथाना	85	7	0	0	0	0	6	राज., उ.प्र.	0	86	0	86
51.	अपना घर आश्रम पंजाब खोर	269	10	0	0	4	0	8	उ.प्र., दिल्ली	0	267	0	267
52.	अपना घर आश्रम रायपुर	107	12	0	0	0	0	13	छत्तीसगढ़, असम, उड़ीसा	3	103	0	103
53.	अपना घर आश्रम रतलाम	59	6	0	0	4	0	6	बिहार, आन्ध्रप्रदेश, आसाम, उ.प्र., एम.पी.	0	55	0	55
54.	अपना घर आश्रम विदिशा	138	0	0	0	0	0	3	उ.प्र.	4	131	0	131
55.	अपना घर आश्रम सौंरोजी	39	0	0	0	0	0	2	उ.प्र.	0	37	0	37
56.	अपना घर आश्रम वसई (मुम्बई)	239	20	0	0	0	0	5	महाराष्ट्र	5	249	0	249
57.	अपना घर आश्रम फरीदकोट (पंजाब)	50	2	0	0	0	0	1	पंजाब	0	51	0	51
58.	अपना घर आश्रम रूड़की (उत्तराखण्ड)	136	9	0	0	0	0	6	उत्तराखण्ड	1	138	0	138
59.	एआरजे अपना घर आश्रम, चिकानी	45	4	0	0	0	0	3	उ.प्र., बिहार, एम.पी.	0	46	0	46
60.	अपना घर आश्रम विरमगाम (गुजरात)	80	9	0	5	0	0	3	गुजरात	2	89	0	89
61.	अपना घर आश्रम कैलादेवी	30	1	0	0	0	0	1	राज.	0	30	0	30
62.	कमला संध्या अपना घर आश्रम उमता	42	3	0	0	0	0	0	–	0	45	0	45
63.	अपना घर आश्रम सुखधाम मेरठ	138	0	12	0	0	0	0	–	0	150	0	150
64.	अपना घर आश्रम अमीनगर सराय	35	0	0	0	0	0	0	–	0	35	0	35
65.	अपना घर महिला आश्रम, मलाड मुम्बई	52	6	4	0	0	0	2	महाराष्ट्र	0	0	60	60
66.	अपना घर महिला आश्रम, आगरा	45	4	0	0	0	0	1	उ.प्र.	0	0	48	48
67.	अपना घर आश्रम, रतनगढ़	31	0	2	0	2	0	0	–	0	31	0	31
68.	अपना घर आश्रम, अम्बाला	0	0	24	0	0	0	0	–	0	24	0	24
	योग	15763	675	208	15	208	13	375		166	10416	5483	15899

अपना घर आश्रम, नोएडा में
प्रभुजी ममता का परिजनों से मिलन।

अपना घर आश्रम, उमता में
प्रभुजी का परिवार से भावुक मिलन।

अपना घर आश्रम, शिवपुरी में
सेवा एवं उपचार हेतु ले जाते हुए।

अपना घर आश्रम, अलवर में
चिकित्सा शिविर।

अपना घर आश्रम, विजयनगर में
सेवा एवं उपचार हेतु ले जाते हुए।

कमला संध्या अपना घर आश्रम, उमता में
सेवा एवं उपचार हेतु ले जाते हुए।

माह के विशेष सहयोगी

1.	इण्डिया डवलपमैन्ट एण्ड रिलीफ फण्ड	यू एस ए
2.	श्री रघु बजाज	फरीदकोट
3.	श्री ललिता प्रसाद व्यार	उच्चैन
4.	आचिन्तय इम्पैक्स प्रा.लि.	मुम्बई
5.	श्री राजकुमार अग्रवाल	सरदार पटेल मार्ग, जयपुर
6.	दा यूके ऑनलाईन गिविंग फाउण्डेशन	यूके
7.	श्रीमती रीता मंगल पत्नि श्री मनीष मंगल	जगनेर, आगरा
8.	सन्मति चैरिटेबिल ट्रस्ट	शुक्रताल
9.	सरोज देवी धर्मपाल विद्यार्थी चैरिटेबिल ट्रस्ट	विजय नगर कॉलौनी, आगरा
10.	एसके सेल्स कॉर्पोरेशन	आगरा
11.	बिजनेस सपोर्ट सर्विस	सूरत
12.	आरकेड डवलपर्स लि.	मुम्बई
13.	सौरभ इण्डस्ट्रीज	तिवारी मार्ग, उज्जैन
14.	एस.पी. ऑर्गेनिक्स प्रा.लि.	तिवारी मार्ग, उज्जैन
15.	श्री अनुज सिंघल	सन्तोष नगर, फतेहपुर सीकरी
16.	श्री मन्दीप परीहार	जोधपुर
17.	डॉ. मुकेश शर्मा	जयपुर
18.	श्री भविष्य तुलसीन	बैंगलोर
19.	श्री हैप्पी जैन	मुखर्जी नगर, भरतपुर
20.	श्रीमती राजरानी पत्नि ओ.पी. डबरा	नई दिल्ली
21.	श्रीमती शिव देवी धाकड़	वैर
22.	श्रीमती सत्य मल्होत्रा	बैंगलोर
23.	राधा इम्पैक्स	
24.	एम ओ इण्डस्ट्रीज	रूपवास
25.	श्रीमती कविता सिंह	यदुराज नगर, भरतपुर
26.	ग्रेन एण्ड पल्स इंजीनियर्स प्रा.लि.	फरीदाबाद
27.	श्री जितेन्द्र तंवर	जयपुर
28.	श्री राम शर्मा	जयपुर
29.	चोलामण्डलम एमएसजी	

बेसहारा बीमार असहाय प्रभुजनों की सेवा ही हमारी पूजा एवं आराधना है।

अपना घर में प्रभु सेवा से जुड़ने हेतु "सेवा प्रकल्प"

संस्था का वर्तमान खर्च सभी आश्रमों में प्रतिदिन रुपये 30 लाख से अधिक होता है जिसके लिए सेवाभावी जन, प्रभु स्वरूप में आकर अन्नदान, सदस्यता, दवा-सेवा, अनन्त सेवा, वस्त्र सेवा, वारिस सेवा, भोजन सेवा, गौ-सेवा एवं अन्य प्रकल्पों में अपने विभिन्न शुभ एवं स्मृति दिवसों के साथ-साथ साधारण दिनों में भी सहयोग प्रदान करते हैं।

क्र. सं.	आश्रमों में (यूनिट)	वस्त्र सेवा प्रति आवासी	स्वल्पाहार एवं नाश्ता (प्रति यूनिट)	भोजन, एक यूनिट एक समय	भोजन एक दिन	चिकित्सा सेवा एक माह	मासिक सदस्यता	वार्षिक सदस्यता	आजीवन सदस्यता
1	भरतपुर (33)	251	2000	3000	2,64,000	6,30,000	100	5100	51000
2	अजमेर (1)	350	2000	3500	10,000	2100	100	1100	21000
3	कोटा (6)	251	1750	2000	34500	6600	100	1100	11000
4	अलवर (2)	251	1500	2500	8000	1500	-	1100	11000
5	दिल्ली पूठखुर्द (3)	251	3100	5500	36,100	11000	-	11000	100000
6	बीकानेर (1)	401	2700		5400	2100	500	3100	31000
7	कोकिलावन (2)	251	2100	4100	11000	5000	200	2000	21000
8	जोधपुर (1)	350	3100	5100	11000	3100	1100	11000	51000
9	वृद्धाश्रम बीकानेर (2)	401	3100		12400	2500	-	3100	31000
10	दिल्ली बुढ़पुर (7)	251	4000	5500	22000	60,000	1100	11000	100000
11	श्रीगंगानगर (4)	400	400	1500	26,600	2100	-	1100	21000
12	शामली (1)	251	1500	2500	6000	1100	2100	11000	51000
13	पाली	251	1100	2000	5100	2000	-	-	-
14	नोखा (3)	251	1500	3500	40000	6000	-	3100	31000
15	हिण्डौन (3)	251	800	1100	10500	1500	200	1100	11000
16	बस्सी (5)	451	2100	5500	13100	2100	200	2100	11000
17	हाथरस (1)	251	1100	2500	7500	1000	100	1100	11000
18	शिवपुरी (4)	251	3500	5500	14500	5100	100	1100	11000
19	गोवर्धन (1)	251	2100	3000	7100	6100	100	1100	11000
20	फिरोजाबाद (1)	500	1000	3000	5000	1000	1000	10000	21000
21	डबरा ग्वालियर (5)	251	1100	1100	11000	1000	100	1200	11000
22	पुरूलिया (प. बं.) (2)	251	1100	4000	16000	5000	100	1100	11000
23	शुक्रताल (4)	1100	2100	2100	25200	8400	-	-	251000
24	वाराणसी (8)	451	750	2100	51000	2100	500	2100	21000
25	मेरठ (2)	400	1200	2000	5200	1500	250	2100	21000
26	भिवानी (1)	251	3000	5000	13000	2100	200	2100	21000
27	नेपाल (3)	501 NPR	2500 NPR	3500 NPR	36000 NPR	25000 NPR	3100	37200	-
28	उमता (2)	251	1100	2000	11000	1100	100	1100	11000
29	भोपाल (2)	451	1200	2500	12400	5000	100	1100	11000
30	जयपुर (1)	500	1100	1600	3200	21000	500	2100	15000
31	महिला आश्रम अलवर (3)	251	750	1250	12000	-	-	1100	11000
32	वृद्धाश्रम जामडौली (1)	-	2100	7000	12500	-	500	2100	11000
33	रायगढ़ (1)	251	1100	2000	5100	2100	-	21000	100000
34	वडोदरा (1)	251	1100	2000	5100	11000	100	1100	11000
35	कुचामन सिटी (1)	300	1100	2500	6100	2000	-	-	-
36	उदयपुर (1)	500	1000	2000	5100	11000	-	1100	11000
37	गांधीधाम (1)	400	1500	3000	7500	5100	100	2100	21000
38	वृद्धाश्रम, पुष्कर	350	1000	2000	5100	2100	100	1100	21000
39	बाड़ी	251	1700	2000	5700	5100	100	1500	21000
40	वृन्दावन (2)	251	3000	2500	11000	5100	200	2100	21000
41	लखनऊ	251	1200	2000	6000	20000	-	1100	5100
42	कटक (ओड़िसा)	251	2000	2000	6000	11000	2100	50000	100000
43	पिलखुवा	251	2100	6100	15000	5100	1100	11000	251000
44	पुणे (महिला आश्रम)	1100	3000	5000	13000	5000	100	1200	31000
45	नोएडा	251	2100	5500	15000	11000	100	5000	51000
46	पुणे (पुरूष आश्रम)	251	1500	3000	8000	5000	200	1200	31000
47	कानपुर	451	900	1100	3100	5000	100	1100	11000
48	वृद्धाश्रम विजयनगर अजमेर	1000	1500	2500	6500	6000	1100	11000	51000
49	नीमकाथाना (सीकर)	451	1100	2000	6000	11000	100	2100	21000
50	पंजाब खोर (दिल्ली)	251	2100	5100	11000	3100	1000	11000	100000
51	रायपुर	451	2100	6100	15400	1700	2100	21000	100000
52	रतलाम	451	1200	2000	5100	11000	100	1100	11000
53	विदिशा	451	1100	2000	5100	11000	100	1100	11000
54	सौंरोजी	451	600	1500	4100	11000	100	1100	11000
55	वसई मुम्बई	451	2500	5000	15000	41000	100	2100	51000
56	फरीदकोट (पंजाब)	451	1100	2000	5100	11000	100	1100	11000
57	रूड़की (उत्तराखण्ड)	451	1100	2000	5100	11000	-	-	-
58	चिकानी (अलवर)	251	1500	1250	4500	500	-	1100	11000
59	विरमगाम (अहमदाबाद)	451	1100	2000	5100	11000	100	1100	11000
60	कैलादेवी (करौली)	451	1100	1500	4100	11000	100	1100	11000
61	उमता								
62	सुखधाम, मेरठ	500	1100	2000	5100	21000	2100	11000	51000
63	अमीनगर सराय (बागपत)								
64	महिला आश्रम, मुम्बई	451	3000	4000	11000	75000	100	2100	51000
65	रतनगढ़ (चूरू)	451	1100	2000	5100	21000	100	1200	21000
66	अम्बाला सिटी	451	1100	1500	4100	11000	100	1100	11000

इसके अलावा सेवाओं एवं सहयोग को दृष्टिगत रखते हुए संस्था कार्यकारिणी द्वारा किसी भी सेवाभावी नागरिक को मानद सदस्यता प्रदान की जा सकती है।

संस्था द्वारा संचालित आश्रम

क्र.सं.	आश्रम का नाम	पता एवं सम्पर्क सूत्र
1.	अपना घर आश्रम भरतपुर (राज.)	अछनेरा रोड, बझेरा, भरतपुर मो.: 8764396811, 9950737673
2.	अपना घर आश्रम अजमेर (राज.)	जनाना हॉस्पीटल रोड, लोहागल, अजमेर मो.: 8764396814
3.	अपना घर आश्रम कोटा (राज.)	पॉलीटैक्निक छात्रावास परिसर, छत्रपुरा रोड, कोटा मो.: 8764396812
4.	अपना घर आश्रम अलवर (राज.)	श्री संतोष कुमार जानकीदेवी गुरूकृपा, विवेकानन्द नगर, सैक्टर-4, अलवर मो.: 9413992027, 8764396820
5.	अपना घर आश्रम पूठखुर्द (दिल्ली)	बवाना रोड, नीयर जयहिन्द स्कूल, पूंठखुर्द दिल्ली मो.: 9582057841, 9810212213
6.	अपना घर आश्रम बीकानेर (राज.)	रानी बाजार, बीकानेर मो.: 8764396813, 2526333
7.	अपना घर आश्रम कोकिलावन (उ.प्र.)	कोकिलावनधाम, कोसीकलां, जिला मथुरा मो.: 9536991797
8.	अपना घर आश्रम बुढ़पुर (दिल्ली)	जी.टी.करनाल रोड, बुढपुर, दिल्ली मो.: 9667411201, 9311470595
9.	अपना घर आश्रम श्रीगंगानगर (राज.)	गांव पठानवाली, नेतेवाला रीको बाईपास, श्रीगंगानगर मो.: 8764396816
10.	मूकबधिर विद्यालय कोटडा (राज.)	अपना घर मूक बधिर विद्यालय, कोटड़ा, अजमेर मो.: 7665430215
11.	अपना घर आश्रम नोखा (राज.)	एन.एच.-62, नोखा गांव, नोखा, बीकानेर मो.: 8764396818
12.	अपना घर आश्रम हिण्डौन (राज.)	महवा रोड, क्यारदा कलां, हिण्डौनसिटी मो.: 9460230010, 9414405578, 9414929455
13.	अपना घर आश्रम बस्सी (राज.)	प्राकृतिक चिकित्सालय रोड, बस्सी (जयपुर) मो.: 7412061034
14.	अपना घर आश्रम हाथरस (उ.प्र.)	श्री ब्रह्मासांई स्वर्णिम सेवा, कैमार जलेसर रोड, हाथरस मो. : 8171605045, 9411879486
15.	अपना घर आश्रम पुरुलिया (प. बंगाल)	गाड़ी खाना, दसेर बाँध मोड़, पुरुलिया मो.: 7872245835
16.	अपना घर आश्रम मेरठ (उ.प्र.)	557, चन्द्रलोक कॉलौनी, साबुन गोदाम, बागपत रोड, मेरठ मो.: 9068635958
17.	अपना घर आश्रम भिवानी (हरियाणा)	श्रीकृष्ण प्रणामी मन्दिर राधिका धाम, दादरी गेट, भिवानी मो.: 8764396819
18.	अपना घर आश्रम उमता (गुजरात)	शरीफा जासका रोड, उमता (महसाना) मो.: 9327986686
19.	अपना घर आश्रम भोपाल (म.प्र.)	227-ई, सी-सैक्टर, इन्द्रपुरी, रायसेन रोड, भोपाल मो.: 7489125480, 8963935921
20.	अपना घर आश्रम जयपुर (राज.)	सी-76, रामगली नं.6, आदर्श नगर, जयपुर मो.: 7412061036
21.	अपना घर आश्रम अलवर महिला शाखा	4 वैशाली नगर विस्तार योजना, अलवर मो.: 7737649912
21.	अपना घर वृद्धाश्रम जामडौली (राज.)	सामाजिक न्याय संकुल परिसर, जामडौली (जयपुर) मो.: 9414040388
23.	अपना घर आश्रम वडोदरा (गुजरात)	रसूलाबाद तालुका वाघोडिया, वडोदरा (गुजरात) मो.: 7412061035
24.	अपना घर आश्रम उदयपुर (राज.)	लालबोट चौराहा, सापेटिया रोड, बेदला, उदयपुर मो.: 7412061028
25.	अपना घर आश्रम गांधीधाम (गुजरात)	सेक्टर-8, ओसलो सिनेमा हॉल के पास, गांधीधाम मो.: 7300491051
26.	अपना घर वृद्धाश्रम, पुष्कर (राज.)	बट बाई गणेश मन्दिर के पास, बूढ़ा पुष्कर रोड, पुष्कर मो.: 8209666066
27.	अपना घर आश्रम, बाड़ी (राज.)	डॉ. केशव चंद्र मंगल (अमेरिका),बसेड़ी रोड, बाड़ी, धौलपुर मो.:8949838684
28.	अपना घर आश्रम, वृन्दावन (उ.प्र.)	पार्वती सेवा सदन, चैतन्य विहार, फेस-2, वृन्दावन, मथुरा मो.: 8949004282
29.	अपना घर आश्रम लखनऊ (उ.प्र.)	मोती नगर, ऐश बाग, महाराजा अग्रसेन स्कूल के पीछे, लखनऊ मो.: 7976766620
30.	अपना घर आश्रम नोएडा (उ.प्र.)	ए-96, सेक्टर-34, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उ.प्र.) मो.: 7976797180
31.	अपना घर आश्रम कानपुर (उ.प्र.)	ए-62, शताब्दी नगर, फेस-3, काशीराम कॉलोनी के पास, रतनपुरी पनकी, कानपुर (उ.प्र.) मो. 9511374534
32.	अपना घर आश्रम नीमकाथाना (राज.)	बाई पास रोड, नीमकाथाना, जिला सीकर मो.: 8233778921
33.	अपना घर आश्रम रायपुर (छत्तीसगढ़)	गंगा सेवा सदन, सिवनी रोड, रिम्स हॉस्पिटल के पास, ग्राम-गोढ़ी, रायपुर छत्तीसगढ़ - 492101 मो.: 8517808888
34.	अपना घर आश्रम रतलाम (म.प्र.)	ढोलावड़ रोड, सागौद रेलवे क्रोसिंग से हरथली मार्ग पर, पोस्ट हरथली, जिला रतलाम (म.प्र.) मो.: 6266600568
35.	अपना घर आश्रम विदिशा (म.प्र.)	विट्ठल नगर, विदिशा (म.प्र.) मो.: 9425081099
36.	अपना घर आश्रम सोरोंजी (उ.प्र.)	लहरा गंगा रोड, ग्राम लहरा, पोस्ट सोरों कासगंज (उ.प्र.) मो.: 9216480619

37.	अपना घर आश्रम, फरीदकोट	गीता भवन, सर्राफा बाजार, फरीदकोट (पंजाब) मो.: 8699900854
38.	एआरजे अपना घर आश्रम चिकानी (राज.)	राव होटल के सामने, सोना ब्रिक्स परिसर, चिकानी, अलवर मो.7597327078
39.	अपना घर आश्रम विरमगाम (अहमदाबाद)	गाँव ओगण, विरमगाम, अहमदाबाद (गुजरात) मो. 9023056474
40.	अपना घर आश्रम कैलादेवी (राज.)	कैलादेवी मन्दिर के पास, कैलादेवी (करौली) राज. मो.: 8690383961
41.	श्री कमला संध्या अपना घर आश्रम उमता	अम्रती माताजी मन्दिर के पास, उमता देणप रोड, उमता, विसनगर, मेहसाणा मो.: 8007380060
42.	अपना घर आश्रम सुखधाम (उ.प्र.)	ग्राम नगला जमालपुर, बागपत रोड, मेरठ मो.: 7817005155
43.	अपना घर महिला आश्रम आगरा (उ.प्र.)	48, न्यू राजा मण्डी कॉलौनी, कैनरा बैंक के पास, आगरा मो.: 7727054723
44.	अपना घर आश्रम, अम्बाला सिटी (हरि.)	ग्राम वल्लाना, पुराना हिसार रोड, अम्बाला सिटी (हरियाणा) मो.: 8690251570
	अपना घर द्वारा संचालित – सम्बद्ध आश्रम	
45.	अपना घर आश्रम जोधपुर (राज.)	आस्था भवन, शास्त्री नगर पुलिस थाने के पास, पाल रोड, जोधपुर मो.: 8764396815, 2634204
46.	अपना घर वृद्धाश्रम बीकानेर (राज.)	वृन्दावन कॉलौनी, जयपुर रोड, बीकानेर मो.: 8094019298
47.	अपना घर आश्रम शामली (उ.प्र.)	श्री भोलेश्वर महादेव योग सा.आ.म. समिति, प्राकृतिक चिकित्सालय के पीछे, करनाल रोड, शामली मो.: 9557768160
48.	अपना घर आश्रम पाली (राज.)	पेट्रोल पम्प के पीछे, बाबा मस्तान के पास, पाली मो.: 8764396817
49.	अपना घर आश्रम शिवपुरी (म.प्र.)	ग्राम बांसखेडी, गिर्राज कोल्ड के पास, ए.बी. रोड, शिवपुरी-473551 मो.: 9285498547, 6260240600
50.	अपना घर आश्रम गोवर्धन (उ.प्र.)	बंशीवट सेवा आश्रम, सौंख रोड, गोवर्धन मो.: 7310764595, 9557721581
51.	अपना घर आश्रम फिरोजाबाद (उ.प्र.)	नया बाँस मोड, जलेसर रोड, फिरोजाबाद मो.: 9756719999, 7900528816, 9897302121
52.	अपना घर आश्रम डबरा (म.प्र.)	प्रभुजी सेवा सहायता संस्था, डबरा (ग्वालियर) मो.: 9826211104
53.	अपना घर आश्रम शुक्रताल (उ.प्र.)	सन्मति चेरिटेबिल ट्रस्ट, बिहारगढ़, शुक्रताल (मुजफ्फरनगर) मो.: 9758111319, 9758111320
54.	अपना घर आश्रम वाराणसी (उ.प्र.)	मलहिया, गढ़वाघाट रोड, वाराणसी मो.: 7521060001, 7521060002
55.	अपना घर आश्रम नेपाल	डोलेश्वर महादेव मन्दिर, भक्तपुर (नेपाल) मो.: +977-9802030777
56.	सद्‌गुरु कृपा अपना घर आश्रम रायगढ़	ग्राम सांगीतराई, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) मो.: 9009022001
57.	अपना घर आश्रम कुचामन सिटी (राज.)	विकास स्कूल परिसर, कुचामन सिटी मो.: 9314440570
58.	अपना घर आश्रम कटक (ओड़िशा)	सातबटिया, जगतपुर, कटक (ओड़िशा) मो.: 8118058614
59.	अपना घर आश्रम पिलखुवा (उ.प्र.)	ऊँ नमः शिवाय धर्मार्थ ट्रस्ट, ग्राम सिखेड़ा, रजवाहा के पास, पिलखुवा, मो.: 9837093454
60.	अपना घर आश्रम पुणे (पुरूष आश्रम)	प्राइड वर्ल्ड सिटी, चरहौली बुडरूक, पुणे - 412105 मो.: 7755961619
61.	अपना घर आश्रम पुणे (महिला आश्रम)	माझा घर फाउण्डेशन, श्वारा पैराडाइस बिल्डिंग, प्लाट नं. 50, फेस-2 रोड हिन्जावड़ी, पुणे - 411057, मो.: 7498550554
62.	मानव सेवा अपना घर आश्रम, विजयनगर	मानवपुरम कॉलौनी, बरल रोड, विजयनगर, जिला ब्यावर (राज.) मो.: 9717778755
63.	अपना घर आश्रम पंजाब खोर (दिल्ली)	लॉर्ड कृष्णा फाउण्डेशन, गाँव पंजाबखोर, कझांवला-औचन्दी रोड, दिल्ली मो. 9810124521
64.	अपना घर आश्रम वसई, मुम्बई	रमा गणेश चैरिटेबल ट्रस्ट, कामण भिवंडी रोड, चिंचोटी नाका, वसई मुम्बई मो.8655866312
65.	अपना घर आश्रम रूड़की (उत्तराखण्ड)	1089,1090 सलेमपुर राजपूताना इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, रूड़की (उत्तराखण्ड) मो9927099003
66.	अपना घर आश्रम अमीनगर सराय	जीव दया संस्थान, हिसावदा रोड, अमीनगर सराय, जिला बागपत (उ.प्र.) मो.: 9520448857
67.	अपना घर महिला आश्रम मुम्बई	शिशु भवन, वेलेन्टाइन कॉम्पलैक्स, विद्या मार्ग, मलाड, मुम्बई मो.: 8655349942
68.	ऊँ शिव सेवा धाम अपना घर आश्रम, आगरा	हाजीपुर खेड़ा, खंदौली, एत्मादपुर, आगरा (उ.प्र.) मो.: 9758557120
69.	अपना घर आश्रम रतनगढ़ (चुरू) राज.	न्यू नूवां रोड, रतन महल रिसोर्ट के पास, रतनगढ़ (चुरू) राज. मो.: 7976212700
	अपना घर द्वारा संचालित अन्य प्रकल्प	
1.	अपना घर हैल्पलाईन, भरतपुर (राज.)	बी-नारायण गेट, भरतपुर (राज.) मो.: 7412061031
2.	प्रधानमंत्री जन औषधी केन्द्र, आगरा	महाराजा अग्रसेन भवन, लोहामण्डी, आगरा (उ.प्र.)
3.	अपना घर लोहागढ़ गौशाला	रूंध इकरन, भरतपुर (राज.)
4.	अपना घर उच्च प्राथमिक विद्यालय	खेमरा मोड़, भरतपुर (राज.)

उपचार से पहले

उपचार के बाद

असहाय अवस्था में
प्रभुजी श्रीमती आशा देवी।

अपना घर आश्रम, मेरठ में सेवा एवं
उपचार के दौरान प्रभुजी श्रीमती आशा देवी।

असीम गन्दगी में मानसिक अस्वस्थ
अवस्था में प्रभुजी समीर।

अपना घर आश्रम, रायपुर में सेवा
एवं उपचार के दौरान प्रभुजी समीर।

दयनीय अवस्था में
प्रभुजी श्री अनिल।

अपना घर आश्रम, कानपुर में उपचार
के दौरान प्रभुजी श्री अनिल।

आश्रम में जीव सेवा

अपना घर आश्रम, महसाना में
प्रभुजी को सेवा एवं उपचार
हेतु नहलाते हुए।

अपना घर आश्रम, कोटा में
असहाय प्रभुजी को पानी पिलाते हुए।

अपना घर आश्रम शिवपुरी में
प्रभुजी मनोरंजन करते हुए।

अपना घर विद्यालय, भरतपुर
के छात्र-छात्राओं का नेत्र परीक्षण।

जोधपुर आश्रम में
तेल मालिस करते हुए।

आश्रम में प्रभुजी को
खाना खिलाते हुए।

जामडौली आश्रम में प्रभुजियों द्वारा
ऑर्गेनिक मूली की फसल का उत्पादन।

अपना घर आश्रम, चिकानी में
योगासन करते प्रभुजी।